जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 209 प्रभात जालोर, मंगलवार 5 नवम्बर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'हमें मजबूरन जे.पी.सी. छोड़नी पड़ सकती है'

वक्फ बिल का परीक्षण कर रही जे.पी.सी. के विपक्षी सदस्यों ने स्पीकर ओम बिड़ला को चिट्ठी लिखी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवीक्षा (स्क्रूटिनी) कर रही संसदीय समिति में एक प्रकार के संकट की स्थिति बनती जा रही है क्योंकि विपक्षी सांसद इस कमेटी से अलग होने की योजना बना रहे हैं। दरअसल, विपक्षी सांसदों का कहना है कि इस कमेटी के चेयरपर्सन जगदम्बिका पाल कथित रूप से एकपक्षीय निर्णय ले रहे हैं तथा उन्हें तैयार होने के लिए समुचित समय दिये बिना ही, सम्बन्धित प्रक्रियाओं/कार्यवाहियों को "बुलडोज़" करने की कोशिशें की जा रही हैं।

ऐसी सम्भावना है कि संसदीय कमेटी में शामिल विपक्षी सांसद मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भेंट कर सकते हैं।

इस बात पर जोर देते हुए, कि कमेटी की कार्यवाहियों के दौरान उनके काम में बाधा डाली जा रही है, विपक्षी सांसदों ने बिड़ला को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि उन्हें इस कमेटी से अलग होने के लिए बाध्य किया जा सकता है। इन सांसदों ने इस पत्र को पहले आपस में सर्कुलेट भी किया है।

- विपक्षी सदस्यों का आरोप है कि, जे.पी.सी. प्रमुख, भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल एकतरफा फैसले कर रहे हैं। विपक्षी सदस्य मंगलवार को स्पीकर ओम बिड़ला से मिलकर उन्हें शिकायती पत्र सौंपेंगे।
- विपक्षी सदस्यों का आरोप है कि बैठक की कार्यवाही की तारीख तय करने और गवाहों को बुलाने में जे.पी.सी. प्रमुख मनमानी कर रहे हैं तथा अक्सर एक के बाद एक लगातार तीन दिन तक कमेटी की मीटिंग बुला लेते है।
- विपक्ष का आरोप है कि पाल की कोशिश है कि वक्फ बिल, सरकार जैसा चाहती है, उसी रूप में जे.पी.सी. से स्वीकृत हो जाए, इसलिए विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा है।
- ज्ञातव्य है कि, कभी यूपी में कांग्रेस के कद्दावर नेता रह चुके जगदम्बिका पाल 2014 में भाजपा में आए थे तब से वे हर बार लोकसभा चुनाव जीते हैं, पर अभी तक भी उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया है।

विपक्ष के सूत्रों ने कहा कि विपक्षी सांसद मंगलवार को बिड़ला से मिलकर, उनके सम्मुख अपनी शिकायतें रख सकते हैं।

विपक्षी सदस्यों, जिनमें अन्य सांसदों के अलावा, द्रमुक के ए.राजा, कांग्रेस के मुहम्मद जावेद तथा इमरान मसूद, ए.आई.एम.आई.एम. के असदुद्दीन ओवैसी, आप के संजय सिंह तथा टी.एम.सी. के कल्याण बनर्जी भी शामिल हैं, ने लोकसभा अध्यक्ष को एक संयुक्त पत्र लिखा है।

उन्होंने जगदम्बिका पॉल, जो धीर-गम्भीर भाजपा सांसद हैं, पर आरोप लगाया है कि वे कमेटी की बैठकों की तिथियाँ तय करने में "इकतरफा निर्णय" ले रहेहैं तथा ये तिथियाँ तीन लगातार दिनों की दे दी जाती हैं। इसके साथ ही इस विषय में भी इकतरफा निर्णय लिये जाते हैं कि साक्षी के रूप में किन्हें बुलाया जाना है।

उन्होंने कहा कि सांसदों के लिए यह व्यवहारिक रूप से सम्भव नहीं है कि वे तैयारी के बिना चर्चा कर सकें।

इस बात पर जोर देते हुए, कि इस विधेयक का परीक्षण कर रही संसद की संयुक्त समिति "मिनी संसद" की तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पटाखों पर सतत प्रतिबंध क्यों नहीं'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने एक एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया। रिपोर्ट में लिखा था कि सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंध के बाद भी दीपावली पर पटाखों से होने वाला प्रदूषण सर्वाधिक था। कोर्ट ने कहा कि 2022 व 2023 की तुलना में इस बार पटाखों का प्रदूषण काफी अधिक है।

- इस वर्ष दीपावली पर गत दो वर्षों की तुलना में पटाखों से होने वाला प्रदूषण बहुत अधिक होने की रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया और दिल्ली सरकार व दिल्ली पुलिस कमिश्नर से जवाब मांगा।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार व दिल्ली के पुलिस कमिश्नर से जवाब मांगा है। बैंच ने पूछा दीपावली 2024 के दौरान क्या हुआ। बैंच ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर शपथ पत्र दायर करे अगली सुनवाई 14 नवम्बर को होगी। कोर्ट ने पटाखों पर प्रतिबंध के बारे में सवाल किया।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण व ऑनलाइन डिलीवरी और पटाखे जलाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पुल टूटने पर दायर याचिका स्वीकार की

जब याचिका चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड के सामने आई तो उन्होंने कहा, मैं इसकी गहराई में जाऊंगा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को निर्णय लिया कि हाल ही के महीनों में बिहार में कई पुलों के गिर जाने को लेकर दायर की गई जनहित याचिका पर विचार किया जाएगा।

इस जनहित याचिका में मांग की गई है कि पुलों की संरचनात्मक ऑडिट तथा विशेषज्ञों का एक ऐसा पैनल गठित करने के निर्देश दिये जायें, जो ऐसे पुलों को चिन्हित करे, जिनकी मरम्मत करने या ढहा दिये जाने की जरूरत है।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा मनोज मिश्रा की बैंच ने सोमवार को इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किये जाने का निर्णय लिया।

यह याचिका सिवान, सारण, मधुबनी, अरेरिया, पूर्वी चम्पारन तथा किशनगंज जैसे जिलों में गिरे उन 10 पुलों के गिर जाने की प्रतिक्रिया में दायर की गई है, जो मई, जून तथा जुलाई के मानसूनी मौसम में हुई भारी बरसात में गिर गये थे।

- सुप्रीम कोर्ट ने इस पर बिहार सरकार, नैशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा राज्य सरकार के कई विभागों व अफसरों को नोटिस भेजा है।
- न्यायिक हस्तक्षेप से स्पष्ट है कि राज्य में पुलों के टूटने को लेकर सुप्रीम कोर्ट चिंतित है।
- यह याचिका हाल ही, मई, जून और जुलाई में सिवान, सारन, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चम्पारण और किशनगंज में गिरे पुलों के सम्बंध में दायर की गई है।

जब याचिकाकर्ता के वकील ब्रजेशसिंह ने यह याचिका सुनवाई के लिए प्रस्तुत की, तो मुख्य न्यायाधीश ने बोले, "मैं इसकी गहराई में जाऊंगा।" अदालत की इस प्रतिक्रिया से पूर्व इस बात का सत्यापन किया गया कि इस याचिका के बारे में किये गये आवश्यक पत्राचार सर्वोच्च न्यायालय के कार्यालय में समुचित रूप से भेजे गए अथवा नहीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार सरकार, नैशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एन.एच.ए.आई.) तथा राज्य के विभिन्न विभागों को नोटिस जारी कर दिये, जिनमें सड़क-निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, बिहार राज्य पुल निर्माण लिमिटेड, तथा रूरल वर्क्स डिपार्टमेंट के अतिरिक्त मुख्य सचिव शामिल हैं।

इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप राज्य में पुलों की सुरक्षा के बारे में बढ़ती चिन्ताओं को रेखांकित कर रहा है, जो भारी वर्षा एवं बाढ़ से प्राय: प्रभावित होती है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, 36 की मौत

दीपावली के अवकाश के कारण बस में क्षमता से अधिक यात्री बैठे थे

अल्मोड़ा/नैनीताल, 04 नवंबर। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में सोमवार सुबह-सुबह एक भीषण सड़क हादसे में 36 लोगों की मृत्यु हो गयी तथा 24 अन्य घायल हो गये। मृतकों में से अधिकांश लोग दीपावली मना कर अपने गंतव्य को लौट रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गढ़वाल मोटर्स ऑनर्स यूनियन लि0 की बस पौड़ी जिले के गौलेखाल से 60 यात्रियों को लेकर निकली, अल्मोड़ा जिले के सल्ट तहसील के मरचूला में कूपी के पास सारड बैंड में अनियंत्रित हो कर गहरी खाई में जा गिरी।

दीपावली अवकाश के कारण बस खचाखच भरी हुई थी। बस में क्षमता से कई गुना अधिक, 60 सवारियां भरी हुई थीं। पांच लोग किसी तरह बस से दूर छिटक गये, उन्हें मामूली चोटें आयीं। बाकी 36 लोगों की मौत हो गयी। इनमें से 28 की मौके पर ही मौत हो गयी थी।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही, एस.डी.आर.एफ. की तीन टीम और सल्ट, रानीखेत की पुलिस टीमों को मौके पर भेजा गया। तब तक ग्रामीण भी मौके पर पहुंच चुके थे।

- बस के 5 यात्री किसी तरह छिटक कर बाहर गिरे। उनको मामूली चोट आईं। अट्ठाइस लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गईं तथा 8 ने रामनगर अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा।

कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.) देवेन्द्र पिंचा और सल्ट के उप जिलाधिकारी कोहली ने मौके पर पहुँचकर राहत व बचाव कार्य शुरू करवाया।

दो दर्जन घायलों में से 15 को रामनगर अस्पताल भिजवाया गया, जबकि चार को एयर लिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश और हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल भेजा गया।

रामनगर अस्पताल में उपचार के दौरान आठ घायलों ने दम तोड़ दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंभीर घायलों को तत्काल एयर लिफ्ट कर एम्स और अन्य अस्पतालों में भेजने के निर्देश दिये। इसके लिये एयर एम्बुलेंस भी उपलब्ध करायी गयी। साथ ही एम्स के चिकित्सकों की एक टीम को ऋषिकेश से घायलों के उपचार के लिये रामनगर चिकित्सालय भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने लापरवाही के आरोप में अल्मोड़ा और पौड़ी के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिये।

दुर्घटना की जांच के आदेश कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत को दे दिये हैं। इसके अलावा, मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये सहायता देने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एकल पट्टा प्रकरण में धारीवाल को राहत देने के आदेश को रद्द करने की गुहार

जयपुर, 4 नवंबर। प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में नया शपथ पत्र पेश कर यू-टर्न लिया है। अशोक पाठक की स्पैशल लीव पिटिशन (एस.एल.पी.) में पेश इस नए शपथ पत्र में कहा गया है कि मामले की सुनवाई के बीच हाईकोर्ट ने तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन वापस लेने की अनुमति और तत्कालीन यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ मामला रद्द कर दिया था। हालांकि, पूर्व में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि एकल पट्टा प्रकरण में कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है।

- सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में राज्य सरकार की ओर से नया शपथ पत्र पेश हुआ। पूर्व में राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि एकल पट्टा प्रकरण में कोई अपराधिक मामला नहीं बनता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र चुनावों के लिए रोचक रणनीति बनाई राज ठाकरे ने

राज ठाकरे की कोशिश उद्धव ठाकरे की शिवसेना को नुकसान पहुंचाना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवंबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पूर्व राज ठाकरे की राजनीतिक रणनीतियों पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है। निरंतर कम होते वोटर बेस के मद्देनजर, ठाकरे द्वारा लिए गए निर्णय स्वयं उनकी पार्टी तथा शिवसेना, दोनों के चुनावी परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। उनकी राजनीतिक शतरंज की बाजी के बारे में बात करते हैं।

ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एम.एन.एस.) ने मुंबई सहित महाराष्ट्र में 137 सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए हैं। तथापि, एम.एन.एस. ने मुंबई की 36 विधानसभा सीटों में से 10 सीटों पर प्रत्याशी खड़े नहीं किए हैं। इस बात को लेकर ये चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि, सत्तारूढ़ महायुति को इन सीटों पर जिताने के मकसद से इन पर प्रत्याशी नहीं खड़े करने का यह सोचा समझा निर्णय है। गत सप्ताह राज ठाकरे ने कहा था, उन्हें विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार, 20 नवम्बर को महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में वापस आएगी। एम.एन.एस. ने भाजपा के साथ किसी गठबंधन की घोषणा नहीं की है, फिर भी कदाचित् ठाकरे, इन चुनावों में भगवा पार्टी के साथ सैद्धांतिक वफादारी की बात कर रहे हैं।

- राज ठाकरे ने मुम्बई की 36 में से 25 सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े किए हैं, जो सीधे उद्धव के प्रत्याशियों को नुकसान पहुंचाएंगे, पर ठाकरे ने दस सीटों पर कोई प्रत्याशी नहीं उतारा है, क्योंकि यहां पर भाजपा का महायुति गठबंधन जीत रहा है।
- हालांकि, राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का भाजपा से गठबंधन नहीं है, पर उन्होंने 137 सीटों पर ऐसे प्रत्याशी खड़े किए हैं, जो महाराष्ट्र विकास अघाड़ी को नुकसान पहुंचा रहे हैं।
- राज ठाकरे का जनाधार लगातार खिसक रहा है, उनकी कोशिश है कि किसी भी प्रकार से वे अपना राजनैतिक रूतबा कायम रख पाएं, पर इस चुनाव में उनकी जो रणनीति है वह उन्हें बना सकती है तो मिटा भी सकती है।

विधानसभा चुनाव 2024 राज ठाकरे के राजनीतिक करियर को बना देंगे या खत्म कर देंगे, क्योंकि, सन् 2009 से एम.एन.एस. के चुनावी सितारे लगातार गर्दिश में जा रहे हैं। सन् 2009 में एम.एन.एस. ने तेरह विधानसभा सीटें जीती थीं। उसके बाद से एम.एन.एस. का वोट शेयर 5.75 प्रतिशत से गिरकर सन् 2019 में 2.25 प्रतिशत रह गया। इस वर्ष एम.एन.एस. का केवल एक प्रत्याशी विधानसभा चुनाव में जीता था।

नामांकन के आखिरी दिन, सोमवार को बागियों द्वारा नाम वापस लेने से अब महायुति व महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के बीच संघर्ष का मंच तैयार हो गया है।

महाराष्ट्र में सभी प्रमुख राजनीतिक दल विद्रोह का सामना कर रही हैं, क्योंकि जिन पार्टी कार्यकर्ताओं को टिकट नहीं दिए गए हैं उन्होंने नेतृत्व का विरोध करते हुए 20 नवंबर के विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन भरे हैं, जो सत्तारूढ़ महायुति तथा विपक्षी ब्लॉक, महाराष्ट्र विकास अघाड़ी दोनों के लिए एक सिरदर्द बन गया है।

भ्रम के माहौल का एक कारण यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पोस्टमार्टम में गंभीर चोटों को टाइगर की मौत का कारण माना

बौंली -बामनवास, 4 नवंबर। सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क के पास रविवार को उलियाणा गांव के खेत पर मृत पाए गए टाइगर टी -86 की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गंभीर चोटों को माना गया है।

जयपुर से आई पशु चिकित्सकों की मेडिकल टीम ने बाघ टी - 86 का पोस्टमार्टम किया। उसके बाद टाइगर का ससम्मान अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान सामने आया कि अज्ञात लोगों ने सामूहिक रूप से बाघ पर ताबड़तोड़ हमले करके उसे मौत के घाट उतार दिया। मृत टाइगर की रीढ़ की हड्डी, मुंह एवं चारों पैरों पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। मौत से पहले ही बाघ की जीभ बाहर लटक गई थी। मृत बाघ

- टाइगर की रीढ़ की हड्डी, मुंह और चारों पैरों पर गम्भीर चोट के निशान मिले।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु और कर्नाटक के बाद केरल पहुंचा भाषा विवाद

केरल में विवाद को हवा दी केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। भाषा मुद्दे पर तमिलनाडु और कर्नाटक में चल रहे विवाद की आग में घी डालते हुए एक केन्द्रीय मंत्री ने केरल में भी इस आग को हवा दे दी है।

उक्त केन्द्रीय मंत्री ने एक सवाल का जवाब केरल के राज्यसभा सांसद को हिंदी में भेजा। उक्त राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटस ने खाद्य संस्करण एवं रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के पत्र का जवाब मलयालम भाषा में भेजा। इस प्रकार उन्होंने भाषाई मुद्दे पर अपना पक्ष रखा लेकिन केन्द्रीय मंत्री का जवाब संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है, साथ ही ऐसे ही मसले पर 2021 में आए मद्रास हाई कोर्ट के फैसले का भी उल्लंघन है। केन्द्र सरकार गैर हिंदी भाषी राज्यों के साथ संवाद के लिए आज़ादी के बाद से ही जिस नियम का पालन कर रही है, मंत्री ने उसकी भी अनदेखी की है।

मंत्री के इस रुख से दक्षिण भारतीय राज्यों में यह संदेह और बढ़ गया है कि उन पर हिंदी लादी जा रही है। हिंदी भाषा में लिखा पत्र मिलने के बाद राज्यसभा सांसद ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें जानबूझ कर हिंदी भाषा में पत्र भेजा गया है और वे मंत्री को अपनी भाषा में जवाब देंगे ताकि भाषा मुद्दे पर अपना पक्ष रख सके।

ब्रिटस ने कहा कि वे अकेले नहीं है जिन्हें ऐसा महसूस हुआ है, क्योंकि दक्षिण भारत के कई अन्य सांसदों के साथ भी ऐसा ही हुआ उन्हें भी हिंदी भाषा में पत्र भेजा गया जो न उन्हें आती है और न ही वे उसके साथ सहज हैं।

ऐसा लगता है कि केन्द्रीय मंत्री को पता ही नहीं है कि गैर हिंदी भाषी राज्यों के साथ संवाद में भिन्न परम्पराओं का पालन किया जाता है। आमतौर पर इन राज्यों के साथ अंग्रेजी में पत्र व्यवहार किया जाता है।

अब केरल के मंत्री पी. राजीव ने ऑफिशियल लैंगवेज पर संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख किया।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर सिखा कि, संविधान के अनुसार हमारी कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है। हमारी सिर्फ सरकारी भाषाएं हैं हिंदी और अंग्रेजी। और केन्द्र सरकार गैर हिंदी भाषा राज्यों की सरकार के बीच संवाद सिर्फ अंग्रेजी में ही होना चाहिए। यह अगर हम हमारी भाषा में कोई विधेयक ला रहे हैं तो राज्यपाल को उसका अनुवाद प्रस्तुत करेंगे ताकि वे उसे पढ़कर अपनी अनुमति दे सकें। सभी राज्यों पर हिंदी थोपना असंवैधानिक है।

ऐसे ही मामले में मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बैंच ने 2021 में केन्द्र सरकार को ऑफिशियल लैंगवेज एक्ट के प्रावधानों का पालन करने का निर्देश दिया था व कहा था कि तमिलनाडु सरकार

- रवनीत सिंह ने केरल के एक राज्यसभा सदस्य, जॉन ब्रिट्स के अंग्रेजी में भेजे पत्र का जवाब हिंदी में दिया, अब राज्यसभा सांसद जॉन मलयालम भाषा में जवाब देंगे।
- रवनीत सिंह पर आरोप है कि उन्होंने ऑफिशियल लैंग्वेज एक्ट 1963 के प्रावधानों व मद्रास हाईकोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन किया है, जिसके तहत गैर हिंदी भाषी राज्यों से अंग्रेजों भाषा में पत्र व्यवहार करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया है।
- जॉन ने आरोप लगाया, ऐसा लगता है केन्द्र सरकार हम पर हिंदी थोप रही है, सिर्फ मुझे ही नहीं कई अन्य नेताओं को भी ऐसा ही लगता है क्योंकि हमें हिंदी भाषा में जवाब दिया जाता है, जो हम समझते ही नहीं हैं।
- केरल के मंत्री पी. राजीव ने एक्स पर लिखा कि संविधान में कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है, सरकारी भाषा के रूप में हिंदी और अंग्रेजी का उल्लेख है और आजादी के बाद यही परम्परा है कि केन्द्र सरकार गैर हिंदी भाषी राज्यों से अंग्रेजी में पत्र व्यवहार करती रही है।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडू के एक मंत्री की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि केन्द्र सरकार की ड्यूटी है कि राज्य सरकार को अंग्रेजी भाषा में ही जवाब दे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मेडिकल कॉलेज आवंटन पर जवाब मांगा

जयपुर, 4 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यू.जी. स्ट्रे काउन्सलिंग में मेडिकल कॉलेज आवंटन से जुड़े मामले में प्रमुख मेडिकल शिक्षा सचिव सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश आदर्श धाकड़ व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि नीट यू.जी. की स्ट्रे काउन्सलिंग में हर बार पहले एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए अभ्यर्थी को मेडिकल कॉलेज आवंटित किया जाता था और उसके बाद उसके दस्तावेज सत्यापित किए जाते थे। लेकिन, इस बार स्ट्रे राउंड में कॉलेज आवंटन से पहले दस्तावेज सत्यापित

- राजस्थान हाईकोर्ट ने आदर्श धाकड़ व अन्य की याचिका पर प्रारम्भिक सुनवाई के आदेश दिये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जहाँ चक्रवर्ती सम्राट की तलवार कुंठित हो जाती है, वहाँ महापुरुष का एक मधुर वचन ही काम कर देता है। –हरिऔध

भारत के सर्वाधिक चर्चित मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी. वाई. चंद्रचूड़

भारत के 50 वें मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर डी वाई चंद्रचूड 10 नवंबर 2024 को अपने पद से सेवानिवृत होंगे। उनके पद भार ग्रहण करने पर मैंने इसी स्तंभ में एक संपादकीय लिखा था जो 15 नवंबर 2024 को प्रकाशित हुआ। उनसे देश को क्या अपेक्षाएं हैं, इसका का विस्तार से उल्लेख इस संपादकीय में किया गया था। यह आशा की गई थी कि वह देश के नागरिकों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करने वाले एक निर्भीक और निष्पक्ष न्यायाधीश के रूप में अपना नाम इतिहास में अंकित कराएंगे।

अब जब वह सेवा निवृत हो रहे हैं, तो यह उपयुक्त अवसर है जब उनके कार्यकाल का एक निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाए और यह समझने का प्रयास किया जाए कि वे उनसे की गई अपेक्षाओं पर कितने खरे उतर पाए हैं।

उनके दो वर्ष के इस कार्यकाल से, यह तो निर्विवाद रूप से सिद्ध हो गया है कि डॉक्टर चंद्रचूड न केवल एक निष्णात विधि वेत्ता हैं, अपितु एक बहुत प्रतिभाशाली, प्रभावी वक्ता भी हैं जो खुलकर अपनी बात हर मंच पर रखते हैं। संभवतया जो मीडिया कवरेज डॉ चंद्रचूड को मिला, वैसा किसी अन्य मुख्य न्यायाधीश को नहीं मिला। सामान्यतया सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपने निर्णयों के माध्यम से ही जाने जाते हैं एवं सार्वजनिक समारोहों से दूर ही रहना पसंद करते हैं। डॉ चंद्रचूड ने न्यायाधीशों की इस छवि को तोडा। वे कई शनिवार, रविवार और सर्वोच्च न्यायालय के अवकाश के दौरान किसी किसी न किसी श्रोता समूह को संबोधित करते दिखाई दिए। उन्होंने देश-विदेश की प्रमुख संस्थाओं, वकीलों के सम्मेलनों, विश्विद्यालयों के समारोहों में निसंकोच भाग लिया और अपना उद्बोधन दिया। उनके उद्बोधनों को मीडिया ने भी पूरा स्थान दिया। उनके लिए, नागरिक की स्वतंत्रता और संविधान प्रदत्त अन्य अधिकारों की रक्षा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

उन्होंने न्यायालयों के संचालन में आधुनिकतम तकनीक को लागू करने का प्रयास किया, जिसके लिए देश उन्हें सदैव याद रखेगा। वीडियो सुनवाई को उन्होंने प्रोत्साहित किया जिसके कारण वकीलों के भौतिक रूप से अनुपस्थित होने के बावजूद सुनवाई हो पाई। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के बारे में भी उन्होंने पहल की और इसी कारण इस दिशा में अच्छी प्रगति हुई।

मीडिया में अधिक बने रहने की इच्छा के कारण ही संभव है, उनकी छवि पर विपरीत प्रभाव भी पडा। उदाहरण के लिए, जब प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश के घर पर गणेश वंदना हेतु पहुंच गए और उनके द्वारा की गई आरती का मीडिया पर प्रसारण किया गया, तो उनका यह कृत्य काफी चर्चित और विवादास्पद हो गया क्योंकि अब तक किसी मुख्य न्यायाधीश ने ऐसा नहीं किया था। इससे प्रधानमंत्री से उनकी निकटता जग जाहिर हुई। इस अनावश्यक विवाद से बचा जा सकता था।

जहां तक डॉक्टर चन्द्रचूड के निर्णयों का प्रश्न है, इनमें से कुछ निर्णय ऐसे थे, जिसमें उन्होंने सरकार की नाराज़गी की परवाह नहीं की और उसके विरुद्ध निर्णय दिए। चंडीगढ मेयर के चुनाव के प्रकरण में उन्होंने सारे मतपत्रों को स्वयं अपने स्तर पर मंगवा कर उनकी गणना कराई। इसके आधार घोषित परिणाम को निरस्त करते हुए आम आदमी आपकी पार्टी के उम्मीदवार को विजयी घोषित कर दिया। हालंकि चुनाव अधिकारी अनिल मसीह के विरुद्ध कोई कडी कार्रवाई नहीं की गई, जबकि ऐसा किया जाना चाहिए था। इलेक्टोरल बॉन्ड प्रकरण योजना को असंवैधानिक घोषित करते हुए उसे निरस्त कर दिया। इससे सत्ताधारी दल की स्थिति अटपटी हुई। इससे सरकार के निर्णय पर प्रश्न चिन्ह लगे। किस प्रकार जिन उद्योगपतियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे, उन्हें कैसे लाभ पहुंचाया गया, इस बारे में कोई जांच पडताल करना सुप्रीम कोर्ट में उपयुक्त नहीं समझा।

हिंडेनबर्ग रिपोर्ट में अडानी ग्रुप द्वारा की गई अनियमितताओं से संबंधित प्रकरण सर्वोच्च न्यायालय में गया किंतु उसने सेबी की रिपोर्ट को सही मानते हुए उसे क्लीन चिट दे दी और कोई कार्यवाही नहीं की। यह जन धारणा के विपरीत था, क्योंकि यह मीडिया द्वारा लगभग सिद्ध कर दिया गया था कि अदानी ने अपनी शैल कंपनियों के माध्यम से अपने धन को मनी लांड्रिंग के माध्यम से निवेश किया और अपने शेयरों के दाम कृत्रिम रूप से बढा दिए। इस प्रकरण को भी सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच पाए और इस कारण यह धारणा अवश्य बनी कि कथनी और करने में अंतर तो उनमें भी था।

कुल मिलाकर, हम मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर चंद्रचूड़ के कार्यकाल को दो तरह से याद रखेंगे, एक, उनके द्वारा दिए गए साहसिक निर्णयों के कारण एवं दूसरा, उनके द्वारा दिए अनावश्यक बयानों से उत्पन्न विवादों के कारण। उन्होंने स्वयं ने कहा था कि वे यह नहीं जानते कि उन्हें भविष्य, किस प्रकार के मुख्य न्यायाधीश के रूप में याद रखेगा?

सामान्यतया, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति सार्वजनिक चर्चा का विषय नहीं बनती। डॉक्टर चंद्रचूड इसके अपवाद थे, क्योंकि इनके कई बयानों ने आम नागरिक के मन में यह आशा जगाई थी कि अब उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, अधिक प्रभावी रूप से हो पाएगी। उसे यह भी लगने लगा था कि कार्यपालिका की ज्यादतियों के विरुद्ध अब उसे सुरक्षा कवच, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के माध्यम से प्राप्त हो गया है। इसी प्रकार की अपेक्षाएं और आशाएं मीडिया के लगभग हर वर्ग में विस्तार से व्यक्त की गई थीं।

यह उल्लेखनीय है कि बहुत कम मुख्य न्यायाधीशों का कार्यकाल 2 वर्ष का रहा है। केवल डॉ चंद्रचूड के पिता वाई वी चंद्रचूड, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं, जिनका उनका कार्यकाल 7 वर्ष से अधिक समय तक रहा। इसी प्रकार, एक और मुख्य न्यायाधीश, कपाड़िया का कार्यकाल भी 2 वर्ष से कुछ अधिक था। काफी लंबे समय बाद मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल दो साल रहा है।

हालांकि डॉक्टर डी वाई चंद्रचूड ने न्यायिक प्रक्रिया में कई सुधार के बहुत प्रयास किए। कुछ निर्णय भी ऐसे थे, जिनसे अपेक्षा और बढ गई थी।

उनके द्वारा सार्वजनिक वक्तव्य दिया जाना कि अयोध्या प्रकरण में जब उन्हें कोई निर्णय नहीं सूझ रहा था तो उन्होंने ईश्वर को याद किया और उसके जो निर्देश प्राप्त हुए, उसी अनुसार उन्होंने इसका निर्णय किया। किसी भी न्यायाधीश से अपेक्षा यह की जाती है कि वह केवल संविधान और कानून के अनुसार ही किसी प्रकरण का निर्णय करेंगे। यदि इसमें ईश्वर ने निर्णय पर पहुंचने में सहायता भी की थी, तो इसका सार्वजनिक प्रकटीकरण होना उचित नहीं था। लोगों का तो यहां तक कहना है कि, यदि कोई अल्पसंख्यक वर्ग का मुख्य न्यायाधीश होता, तो क्या वह खुदा के आदेश अनुसार निर्णय करता? यदि ऐसा करता तो फिर क्या स्थिति होती, इसकी केवल कल्पना ही की जा सकती है।

मुख्य न्यायाधीश द्वारा न्यायालय परिसर में न्याय की देवी के स्थान पर दूसरी मूर्ति स्थापित करना विवाद का विषय बना। उन्होंने न्याय की देवी की आंखों पर बंधी काली पट्टी हटाकर, साड़ी के परिधान में, नई मूर्ति स्थापित कराई, जिसे उनके द्वारा न्याय के खुलेपन का प्रतीक बताया गया। वास्तविकता में न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी बांधने का अर्थ यह है कि निर्णय करते समय केवल कानून के अनुसार न्याय किया जाता है न कि किसी पक्षकार के किसी राजनीतिक दल से संबंधित होने ,गरीब अथवा अमीर होने, या किसी जाति धर्म के आधार पर। इसीलिए कानून को अंधा कहा जाता है। अब पट्टी हटाने से यह संदेश दिया जा रहा है कि न्याय भी पक्षकारों की पृष्ठभूमि एवं उनके स्टेटस को देखकर किया जाएगा? सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने इसका औपचारिक रूप से विरोध करते हुए संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया है।

कुछ ऐसे प्रकरण भी आए जिसमें, राज्यपाल द्वारा महायुति की सरकार को बनाने की प्रक्रिया को गलत बताने के बावजूद भी उसे बने रहने दिया गया। राज्यपाल के इस असंवैधानिक कृत्य के बावजूद उनके विरुद्ध कोई टिप्पणियां नहीं की गई। इसी प्रकार, धारा 370 का प्रकरण बहुत समय हेतु नहीं लिया गया एवं इस कारण इसका इस पर सुनवाई लगभग अर्थहीन हो चुकी थी।

एक ओर जहां डॉक्टर चंद्रचूड व्यक्तिगत स्वतंत्रता की पुरजोर तरीके से वकालत करते रहे, वहीं उनके द्वारा लंबे समय तक विचाराधीन प्रकरणों में, जमानत पर सुनवाई नहीं करने की बात आसानी से गले नहीं उतरती। इसी दौरान, सामाजिक कार्यकर्ता 84 वर्षीय स्टेन स्वामी की जेल में ही मृत्यु हो गई। उमर खालिद को की जमानत पर लगभग 4 वर्ष पश्चात भी कोई निर्णय नहीं हो पाया। लंबे समय तक बिना ट्रायल के राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में रखा गया जिसके कारण उन्हें कई प्रकार के कष्ट भोगने पडे। बिना ट्रायल के सामाजिक कार्यकर्ताओं को सरकारी एजेंसियों की सहायता से लंबे समय तक जेल में रखने की प्रवृत्ति की कारण कार्यपालिका पर प्रभावी अंकुश लगाने में डॉ चंद्रचूड सफल नहीं हो पाए।

वे 10 नवंबर को अपना पद छोड़ देंगे। उसके बाद, उनके द्वारा क्या कोई पद स्वीकार किया जाएगा अथवा नहीं इस पर सभी लोगों की नजर रहेगी। यदि उन्होंने सरकार के माध्यम से कोई नियुक्ति स्वीकार की, तो फिर उनके द्वारा कुछ दिए गए कुछ निर्णय को निश्चित रूप से संदेह की दृष्टि से देखा जाएगा। सामान्य नागरिक को इसकी संभावना कम ही लगती है क्योंकि वह स्वयं कुछ वर्षों के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' की बात करते रहे हैं।

कुल मिलाकर, हम मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर चंद्रचूड के कार्यकाल को दो तरह से याद रखेंगे, एक, उनके द्वारा दिए गए साहसिक निर्णयों के कारण एवं दूसरा, उनके द्वारा दिए अनावश्यक बयानों से उत्पन्न विवादों के कारण। उन्होंने स्वयं ने कहा था कि वे यह नहीं जानते कि उन्हें भविष्य, किस प्रकार के मुख्य न्यायाधीश के रूप में याद रखेगा? डॉक्टर चंद्रचूड की न्यायिक विद्वता का लाभ न्यायपालिका और देश को मिलता रहे, इसकी कामना सदैव रहेगी। डॉ. चंद्रचूड को, सेवानिवृत्ति के अवसर पर देशवासियों की शुभकामनाएं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

सीकर : एक दशक में "जल संकट" से "जल प्रबंधन" तक

प्रेरणादायी है जल संकट से जूझते सीकर के जल प्रबंधन की यात्रा

विनोद पाठक

प्रसिद्ध डाटा वैज्ञानिक हान्ना राइट अपनी किताब नॉट द एंड ऑफ द वर्ल्ड में लिखती हैं कि यह मुमकिन है कि हम कयामत के कगार पर पहुंच गए हों, लेकिन यह भी सच है कि हम मजबूत बुनियाद पर फिर से कदम रखना शुरू कर रहे हों। वैश्विक डाटा के संदर्भ में उनकी रिसर्च बताती है कि पानी संकट को लेकर उम्मीद अभी बाकी है।

हान्ना राइट कहती हैं कि पर्यावरण से जुड़े डाटा के अनुसार पिछले करीब 10 वर्षों में सतर्कता संग आशा संकेत मिल रहे हैं। ये जरूरी नहीं है कि हम अपने लक्ष्य तक पहुंच गए हों, लेकिन लगता है कि ऐसा करने के लिए हमारे पास पर्याप्त अवसर हैं। हान्ना के बयान के संदर्भ में देखें तो भारत में पिछले दस सालों में ऐसी कई छोटी-बड़ी पहल की गई है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आए हैं। सीकर का उदाहरण हम सबके सामने हैं। कभी बूंद-बूंद पानी को तरसते सीकर ने जल प्रबंधन का एक नायाब मॉडल पूरी दुनिया के सामने रखा है।

सीकर के किसान, युवा, महिलाएं समेत बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखते ही बनती हैं। पानी की कमी के चलते कभी हरियाली खेतों से रूठ चुकी थी, लेकिन अब खेत न केवल लहलहा रहे हैं, बल्कि किसानों के चेहरे की मुस्कान भी लौट आई है। राजपुरा के 70 वर्षीय किसान सुवाराम से बेहतर भला कौन 'समय' के फेर को बता सकता है। सुवाराम तब और अब के फर्क को बखूबी समझते और जानते हैं। साल 1955 में जब वो इस क्षेत्र में रहने आए थे तो पानी की किल्लत थी, लेकिन आज चेक डैम्स की वजह से 20 किलोमीटर के दायरे में लहलहाती फसलें दिखती हैं। ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं जिनकी जिंदगी चेक डैम्स की वजह से बदल चुकी है।

इस बदलाव का श्रेय आनंदना-कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन और सोशल एक्शन फॉर रुरल एडवांसमेंट (सारा) के सक्रिय सहयोग को जाता है, जिनकी वजह से शुरू चेक डैम्स सीकर में बदलाव के वाहक बने हैं। चेक डैम्स ने जल उपलब्धता और प्रबंधन में क्रांति ला दी है। ये संरचनाएं भले ही साधारण दिखाई देती हैं, लेकिन इनमें मानसून के पानी को रोकने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। इनकी खासियत है कि ये धीरे-धीरे पूरे वर्ष भूजल को पुनर्भरित करती हैं, जिसके चलते जो कुएं पहले सूख चुके थे, अब उनमें पूरे साल पानी रहता है। क्षेत्र के जल स्तर में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चेक डैम्स ने जल सुरक्षा की नींव पर सुदृढ़ अर्थतंत्र का नया अध्याय लिखा है। जहां एक समय किसान अपने सूखे हुए खेतों को देख हर समय चिंतित रहते थे, आज वे आत्मविश्वास से अपनी विविध फसलों को उपजा रहे हैं। किसानों की आय में 80 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। कृषि में विकास केवल दोगुना नहीं सौ गुना तक बढ़ा है। आंगनबाड़ी में काम कर रही 40 वर्षीय बजरी देवी की जिंदगी तो चेक डैम्स की वजह से बिल्कुल ही बदल गई है। अब उन्हें पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। घर में लगे नल से पानी मिल जाता है। जल उपलब्धता ने स्थानीय निवासियों की जिंदगी के प्रत्येक पहलु को प्रभावित किया है। बच्चे अब नियमित स्कूल जा रहे हैं तो युवाओं का पलायन भी रुका है। युवा अब स्थानीय क्षेत्रों में ही रोजगार के अवसर तलाश रहे हैं। स्थानीय बाजारों की रौनक लौट आयी है। जल संसाधनों की कमी के कारण असंभव माने जाने वाले छोटे उद्योग अब उभरने लगे हैं, जो एक अधिक विविध और स्थायी स्थानीय अर्थव्यवस्था बना रहे हैं। यही नहीं नवाचार ने सीकर में जड़े जमा ली हैं। किसान पॉलीहाउस, सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई प्रणाली और ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीक आसानी से सीकर में दिखती है।

चेक डैम्स की वजह से ज्यों-ज्यों भूजल स्तर बढ़ा है, स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे फ्लोराइड संदूषण में कमी आई है। यही नहीं मिट्टी की उर्वरता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग में कमी आई है। स्थानीय तापमान में भी कमी आई है। सीकर में किसान जहां पहले मुश्किल से एकाध फसल उगा पाते थे, वहां वे अब चंदन के पेड़, आम और नींबू लगा रहे हैं। यह सफलता कहानी नीति निर्माताओं को महत्वपूर्ण सीख देती है। यह दिखाती है कि सतत जल प्रबंधन केवल एक पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का उत्प्रेरक है।

सीकर मॉडल यह दिखाता है कि उचित निवेश परिवर्तन का वाहक बन सकता है। स्थानीय स्तर पर बड़े बदलाव का सबब बन सकता है। यह सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित करता है और पानी को एक वस्तु के बजाय समुदाय विकास के जीवनस्त्रोत के रूप में देखने की आवश्यकता पर जोर देता है। जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर देखते हैं, सीकर के चेक डैम्स संभावनाओं के ज्वार को बढ़ाते हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि पर्यावरणीय चुनौतियों के बावजूद, नवाचारी समाधान, जो स्थिरता में निहित हैं, वे सफल हो सकते हैं। एक दशक पहले, सीकर पानी की कमी का अध्ययन था, आज, यह पुनर्जीवन की सफल कहानी सुनाता है।

समुदाय के जिन सदस्यों ने इस परिवर्तन को महसूस किया है, प्रत्यक्ष रूप से देखा है, उनके शब्दों में आभार और आशा के गहरे संदेश छिपे हैं। स्थानीय लोग जब इस पहल को जारी रखने की गुजारिश करते हैं तो वे केवल अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत अन्य क्षेत्रों के लिए बोलते हैं जो इसी तरह के परिवर्तन की लालसा रखते हैं। सीकर की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन इसके परिवर्तन का पहला दशक एक सकारात्मक प्रस्तावना लिख चुका है-जो आने वाले समय में और अधिक लोगों की जिंदगी में सफल बदलावों का पर्याय बनेगा।

–विनोद पाठक,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अजमेर रेंज के परिवादियों की वीडियो कॉलिंग के माध्यम से ई-सुनवाई होगी

दूर-दराज के परिवादी व बुजुर्ग महिला परिवादियों की वीडियो कॉलिंग के माध्यम से ई-सुनवाई की जाएगी

अजमेर, (कासं)। अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश ने सोमवार को एक नई पहल की शुरूआत की है। इस नई पहल के तहत दूर-दराज से परिवादी व बुजुर्ग महिलाए यहां कार्यालय में आने में सक्षम नहीं है, उन परिवादियों की वीडियो कॉलिंग के माध्यम से ई-सुनवाई की जाएगी और परिवादियों को राहत प्रदान की जाएगी। यह जानकारी सोमवार को अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश ने पत्रकार वार्ता में दी।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए डीआईजी ओमप्रकाश ने बताया कि यह ई-सुनवाई का कार्यकम प्रत्येक माह के प्रथम व अंतिम शुकवार को होगा और रेंज के लोगों को इसका अधिक से अधिक से लाभ मिले इसके बारे में व्यापक प्रचार -प्रसार किया जाएगा। महीने में दो दिन ई-सुनवाई की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। सोमवार को अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश और एडिशनल एसपी विजय सांखला के द्वारा नंबर जारी किया गया। सुनवाई के लिए रेंज कार्यालय से व्हाट्सएप नंबर 8764853020 नंबर जारी किया गया है। इस नंबर पर रेंज के जो भी परिवादी है वह अपनी शिकायत भेज सकेंगे। इसके बाद रेंज कार्यालय का अधिकारी उस परिवादी से उसके इच्छित स्थान और समय को देखते हुए वीडियो कॉलिंग के माध्यम से जोड़ा जाएगा। जिसमें संबंधित थाना अधिकारी और सीओ को भी शामिल होंगे। परिवादियों को दूर दराज से कार्यालय पर नहीं आना पड़े इसे लेकर उन्हें राहत देने के लिए यह सुविधा जारी की गई है।

अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश ने प्रेसवार्ता की।

- **अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश ने नई पहल की शुरूआत की, माह में दो बार होगी सुनवाई**

डीआईजी ने बताया कि कुछ समय में कई परिवर्दियों के शिकायत पर सुनवाई नहीं होने की शिकायत भी मिली थी, जिसको ध्यान में रखते हुए रेंज के 7 थाना अधिकारियों को नोटिस भी जारी किए गए। साथ ही बेहतर काम करने वाले थाना अधिकारियों को प्रोत्साहित पत्र भी दिया गया है।

पाकिस्तान से भारतीय सीमा में एक बार फिर गुब्बारा पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसकर जासूसी करने के लिए एक बार फिर गुब्बारा भारतीय सीमा में पहुंचा। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी लेकिन विलंब से पुलिस पहुंची, उससे पहले ही गुब्बारा वापस उड़कर पाकिस्तान की सीमा में चला गया। अब इस गुब्बारा में किसी तरह की मशीनरी लगी थी या नहीं? इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।

जानकारी के अनुसार भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर ये गुब्बारा सोमवार सुबह देखा गया।

उर्दू में पाक लिखा गुब्बारा पाकिस्तान की और से आसमान में उड़कर आया था। खिलोने रुपी इस गुब्बारे के ऊपर इंग्लिश में कुछ लिखा था और कुछ उर्दू में भी लिखा था। खाजूवाला उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत 17 केवाईडी के चक 20 केवाईडी में भलजी जाट के खेत में 2 घंटे तक गुब्बारा अटका रहा। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने 17 केवाईडी सरपंच प्रतिनिधि ने सुरेंद्र सींवर को अवगत करवाया। सींवर ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। सींवर का कहना है कि पुलिस का इंतजार करते रहें किसी ने गुब्बारे को हाथ नहीं लगाया। पुलिस को सूचना देने के एक घंटे बाद पुलिस पहुंची। तब तक गुब्बारा वापस उड़ गया और पाकिस्तानी सीमा में पहुंच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी ने भी गुब्बारे के हाथ नहीं लगाया। हवा का तेज झोंका आने से वह गुब्बारा फिर आसमान की तरफ उड़ा और पाकिस्तान पहुंच गया। खाजूवाला थानाधिकारी बलवंत कुमार का कहना है कि हमें सूचना मिली थी। एक टीम को मौके के लिए तुरंत रवाना किया गया।

- **स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी लेकिन विलंब से पुलिस पहुंची**
- **उससे पहले ही गुब्बारा वापस उड़कर पाकिस्तान की सीमा में चला गया**

"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की प्रगति" की थीम पर गतिविधियां हुई

अजमेर, (कासं)। अजमेर मण्डल पर मनाये जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के अंतर्गत "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की प्रगति" की थीम पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। इसी कड़ी मे सोमवार को मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय अजमेर के सभा कक्ष में सतर्कता जागरूकता पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता ने रेलवे में सतर्कता विभाग की भूमिका एवं उनकी कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रकाश डाला एवं मण्डल पर पूर्ण सत्यनिष्ठा से कार्य करने का आव्हान किया।

मुख्यालय से आई सतर्कता विभाग की टीम में मुख्य सतर्कता अधिकारी, एस एण्ड एम मनोज कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, ई एण्ड एस टी ए अंसारी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, कार्मिक सुरेन्द्र सिंह बारहट, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी इंजी सत्यनारायण यादव, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी/लेखा अरविन्द कुमार द्वारा प्रजेन्टेशन के माध्यम से केस स्टडी प्रस्तुत की गई। सेमिनार में उपस्थित अधिकारियों ने अपने अपने विभागों की कार्य प्रणाली में सतर्कता व पारदर्शिता संबंधित सवाल जवाब किए और सुझाव भी दिए। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक आलोक अग्रवाल, अपर मण्डल रेल प्रबंधक बलदेव राम, वरि मण्डल कार्मिक अधिकारी रघुवीर सिंह चारण सहित मण्डल के अन्य अधिकारी एवं प्रभावी पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

राशिफल मंगलवार 5 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र प्रात: 9:45 तक, अतिगंड योग दिन 11:27 तक, वणिज करण दिन 11:51 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 9:45 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग प्रात: 9:45 तक है। कुमार योग रात्रि 12:17 से आरम्भ होगा। आज भद्रा दिन 11:15 से रात्रि 12:17 तक है। आज अंगारक विनायक चतुरथी, दुर्वा गणपति व्रत है। आज से डाला छठ पर्व तीन दिन का आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:27 से 10:49 तक, लाभ-अमृत 10:49 से 1:32 तक, शुभ 2:54 से 4:16 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:43, सूर्यास्त 5:37

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक कार्यों में संयम रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

जिला कलैक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें उन्होंने विभागवार प्रगतिरत प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए अधिकारियों का आवश्यक निर्देश दिए।

■ **सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें उन्होंने विभागवार प्रगतिरत प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए अधिकारियों का आवश्यक निर्देश दिए**

बैठक में जिला कलैक्टर ने जिले में खाद्य पदार्थों की शुद्धता जांचने के लिए चलाए गए अभियान में लिए गए सैंपलों में सब स्टेण्डर्ड, अनसेफ व मिस ब्राण्डेड पाये जाने पर संबंधित मिलावट करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कर आमजन को राहत प्रदान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला कलैक्टर ने डेंगू सहित विभिन्न मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में फोगिंग कार्य करवाने को लेकर निर्देशित किया। जिला कलैक्टर ने सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों की पेंडेंसी के संबंध में विभागवार प्रगति देखी। उन्होंने विद्युत, पेयजल, सार्वजनिक निर्माण विभाग, शिक्षा, सहकारिता, पंचायीतराज, चिकित्सा विभाग से संबंधित कार्यों तथा राज्य एवं केन्द्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं में प्रगति की विस्तार से समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिदंबरा परमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रमाशंकर भारती, पीएचईडी के अधीक्षण अभियंता आर.सी.मीना, डिस्कॉम के अधिशासी अभियंता नारायणलाल सुथाऱ, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता रमेश सिंगारिया, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक दुर्गासिंह उदावत सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सूर्योपासना का महापर्व छठ पूजा आज से

जालोर,(कासं)। सूर्योपासना के महापर्व छठ पूजा का शुभारंभ 5 नवम्बर को नहाय खाय के साथ होगा। वही अगले दिवस 6 नवम्बर को महिलाएं पूजा-अर्चना कर खरना के रूप में निर्जला व्रत धारण करेगी। छठ आयोजन समिति ने सुन्देलाव तालाब की सफाई करने को लेकर सोमवार को जिला कलैक्टर जालोर डॉ. प्रदीप के. गांवडे को ज्ञापन सौपा।

छठ आयोजन समिति के अध्यक्ष अंकित तिवारी एवं सचिव निखिल तिवारी ने बताया कि 7 नवम्बर को ऐतिहासिक सुन्देलाव तालाब पर अस्तांचल सूर्य की पूजा अर्चना कर भगवान सूर्य को अर्ध्य देकर राष्ट्र के खुशहाली की कामना की जायेगी। उन्होंने बताया कि 8 नवम्बर को प्रात:काल व्रतधारी महिलाएं फल, ठेकुआ, हल्दी, गन्ना व अन्य सामग्री सुपा में रखकर तालाब में दीपक जलाकर जल में खडे रहकर उगते सूर्य को अर्ध्य देकर व्रत का पारण किया जायेगा। सूर्य षष्टी को मनाये जाने वाले इस पर्व की मनोकामना पूर्ण होने पर कौशी भरने की भी परम्परा है। वही सूर्योपासना के महापर्व छठ पर पूजा-अर्चना एवं अर्ध्य देने को लेकर हनुमानजी मंदिर के पास साफ-सफाई कर गंदगी को हटाने को छठ महोत्सव समिति ने जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे को ज्ञापन प्रेषित किया।

5 हजार का इनामी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ठाामीण की बिलाड़ा थाना पुलिस ने फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 20 साल से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी राज कार्य में बाधा के मामले में फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।ठाामीण एसपी राम मूर्ति जोशी ने बताया कि 20 साल पुराने राजकार्य में बाधा के मामले में फरार 5 हजार के इनामी वारंटी ओमप्रकाश उर्फ भुटिया निवासी तिलवासनी बिलाड़ा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। इसलिए उसकी गिरफ्तारी पर इनाम भी घोषित किया गया था।

ज्ञापन सौंपा — **पाली।** सरदार समंद बांध के कमांड क्षेत्र से जुड़े किसान सोमवार को पाली कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

पहले से शादीसुदा लुटेरी दुल्हन ने फिर शादी कर स्थानीय युवक को 3 लाख का चूना लगाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के शोभावतों की ढ ाणी गजेंद्र नगर में रहने वाले एक युवक से अकोला महाराष्ट्र की लडक़ी से फर्जी तरीके से शादी कराने के साथ उससे तीन लाख रूपए ऐंठ लिए गए। बाद में दुल्हन की मां की बीमारी का बहाना बनाकर रोक दिया गया। लुटेरी दुल्हन पहले से शादीसुदा बताई गई है। पीड़ित के परिवाद पर अब चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में कुछ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है, जिसमें अब अठिाम जांच आरंभ की गई है।

गजेंद्र नगर शोभावतों की ढ ाणी निवासी मिथुन भाटी की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसकी शादी नहीं होने पर उसके बड़े पिता के लडक़े बाबूलाल ने घर पर सपंर्क कर बताया कि उसकी पहचान वाले है जोकि शादी करवा देंगे। इस पर बाद में वह उसके झांसे में आ गया। घटनाक्रम जुलाई 24 से शुरू हुआ था। बाद में अकोला महाराष्ट्र की सुप्रिया उर्फ रोहिणी से शादी करवाना तय हुआ। बदले में उससे अलग अलग किश्तों में तीन लाख रूपए ऐंठ लिए गए। इसमें पुलिस ने अब सुर्पिया उर्फ रोहिणी, बाबूलाल, सलीम खां, नेहा, संतोष आदि में नामजद कर जांच आरंभ की है। सुप्रिया पहले से शादीसुदा होने के साथ उसके एक संतान भी है। आरोपियों ने झूठमूठ उसकी शादी उदयपुर के एक मंदिर में करवा दी। बाद में सुप्रिया उर्फ रोहिणी को भी अकोला महाराष्ट्र बुला लिया गया।

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR

(Government of Rajasthan Undertaking), CIN NO. U45201RJ2013SGC083014

Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.)

Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail : rpidcl@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- RPHCCL/469/NIT/2024-25/D-2467 दिनांक :- 29/10/2024

ई-निविदा सूचना सं0 10/2024-25

निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्षो की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में 74 कार्यों की निविदा एकल बिड के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 2474.39 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	08 नवम्बर 2024 प्रात: 9.30 बजे से 29 नवम्बर, 2024 सायं 4.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	29 नवम्बर, 2024 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	02 दिसम्बर, 2024 सायं 4.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in / www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी।

इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।

UBN No. : RID2425WSOB00160 To RID2425WSOB00233

महाप्रबन्धक, राजस्थान पुलिस आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड, जयपुर

राज.संवाद/सी/24/7299

पांच घरों में सैंध लगाकर लाखों की चोरी

जोधपुर (कासं)। कमिश्नरेट में पांच घरों में चोरों ने सैंध लगाकर वहां से लाखों के जेवरात, नगदी और आर्टिफिशियल ज्लैवरी के साथ हाथ घड़ियां आदि सामान चोरी कर गए। संबंधित थानों में चोरी के अलग अलग प्रकरण दर्ज कराए गए है। जिला पूर्व में बनाड़, नागौरी गेट और पश्चिम में प्रतापनगर, राजीव गांधी नगर एवं देवनगर थाना क्षेत्रों में यह चोरियां हुई है। दिवाली पर इधर उधर गए लोग घर लौटे तब चोरी का पता चला। पाली जिले के शिवपुरा थानान्तर्गत भाणिया हाल बलराम नगर नांदडी निवासी किशनाराम पुत्र रामचंद्र विश्नोई ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वे नेवी से सेवानिवृत है। गत एक माह से अपने गांव कृषि कार्य के लिए गए हुए थे। इस बीच घर सूना था। 2 नवंबर को सूचना मिली कि घर के ताले टूटे है। इस पर वे जोधपुर पहुंचे। अज्ञात चोर उनके घर से 20 हजार की नगदी, दो स्मार्ट वॉच, दो पुरानी घड़ियां, आधा तोला वजनी आभूषण आदि ले गए है। इस बारे में एएसआई परसाराम जांच कर रहे है। पावटा सी रोड महामंदिर में रहने वाले नरेश शर्मा पुत्र रामनिवास की तरफ से पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसने मंडोर मंडी चौराहा के पास में अस्थाई पटाखा की दुकान लगाई थी। 1-2 नवंबर की रात को अज्ञात चोरों ने सैंध लगाकर वहां से 2.50 लाख कीमत के पटाखें एवं 55 हजार की नगदी गल्ले से चोरी कर ले गए।

■ **दिवाली के बाद लौटे परिवारों को लगा चोरी का पता**

कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण

बालोतरा, (कासं)। सोमवार को टिड्डी दल एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम पंचायत सराना में चंपावत कृषि फार्म पर अरंडी, ज्वार की फसलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्रासहॉपर छीतर - बितर के रूप में पाई गई। टिड्डी दल टीम में बाडमेर से सहायक पौध संरक्षण अधिकारी चेन सिंह ने ग्रासहॉपर प्रबंधन के लिए क्लोरोपायरीफोस 20 ई सी छिडकाव की सलाह दी। साथ ही उन्होंने सलाह दी कि प्रभावित क्षेत्र के खेत में कहीं-कहीं जगह पर रात को लाइट ट्रैप लगाकर उसके नीचे कोई पात्र में केरोसिन या पानी भरकर रखें जिसे कीडे पानी में गिर नष्ट हो जाए। निरीक्षण दौरान कृषि विभाग से कृषि पर्यवेक्षक रविकांत व क्षेत्रीय कृषि पर्यवेक्षक उद्यान दीपाराम, टिड्डी दल से सहायक वैज्ञानिक अशोक बोहरा, चंपावत कृषि फार्म पर गजेंद्र पाल सिंह व चक्रवर्ती सिंह मौजूद रहे।

450 रुपए में सिलेंडर लेने के लिए एलपीजी आईडी की सीडिंग जरूरी

जोधपुर, (कासं)। रसोई गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजनान्तर्गत जरुरतमंद परिवारों की महिलाओं को संबल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री उज्जवला योजना तथा बीपीएल श्रेणी के परिवारों को 450 रुपए में एलपीजी गैस सिलेण्डर उपलब्ध करवाया जा रहा है। बजट घोषणा 2024-25 से इस योजना का दायरा बढ़ ाते हुए सभी एनएफएसए योजना के लाभार्थियों को 450 रुपए में एलपीजी गैस सिलेण्डर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

जिला रसद अधिकारी प्रथम पुष्पराज पालीवाल ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी परिवारों को एलपीजी गैस सिलेण्डर 450 रुपए में प्राप्त करने के लिए एनएफएसए राशन कार्ड के सभी सदस्यों के आधार एवं परिवार में उपलब्ध समस्त एलपीजी आईडी की सीडिंग करवाया जाना अनिवार्य है। सीडिंग के लिए उपभोक्ता द्वारा 5 नवम्बर से 30 नवंबर तक नजदीकी उचित मूल्य दुकान पर जाकर पोस मशीन के माध्यम से प्रत्येक एनएफएस परिवार के समस्त सदस्यों के आधार नंबर की सीडिंग, ई-केवाईसी तथा परिवार के सदस्यों के नाम समस्त एलपीजी आईडी की सीडिंग की करवाई जानी है।

■ **राशन की दुकानों पर पोस मशीनों से आज से होगी सीडिंग**

गैस सिलेंडर 450 रूपए में उपलब्ध होगा

जालोर, (कासं)। खाद्य विभाग की ओर से रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना का खाद्य सुरक्षा लाभार्थियों को लाभ देने के लिए सीडिंग अभियान शुरू कर रसोई गैस सिलेंडर को 450 रूपए में उपलब्ध करवाने की योजना का विस्तार किया गया है। सीडिंग के लिए सोमवार को जिला परिषद सभागार में उचित मूल्य दुकानदारों को प्रशिक्षण प्रदान कर निर्देश दिए गए।

जिला रसद अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को 450 रूपए में गैस सिलेंडर लेने के लिए 17 अंकों की एलपीजी आईडी की सीडिंग 5 नवम्बर से 30 नवम्बर तक उचित मूल्य दुकानदारों द्वारा पोस मशीन के द्वारा की जाएगी। इसमें राशन डीलर को गेहूं वितरण से पहले एलपीजी की 17 अंकों की आईडी की सीडिंग करनी होगी। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और बीपीएल परिवारों को मिलने वाला लाभ खाद्य सुरक्षा के चयनितों को भी बजट घोषणा 2024-25 के अनुसार दिया जाएगा। इस योजना का लाभ सितम्बर 2024 से सभी एनएफएसए पात्र परिवारों को दिया जाएगा। वही योजना के लाभ के लिए एनएफएसए राशन कार्डधारी परिवारों के सभी सदस्यों के आधार की सीडिंग अनिवार्य की गई है। इसके बाद 17 अंकों वाली एलपीजी आईडी की भी सीडिंग आवश्यक होगी। यदि राशन कार्ड पर कई सदस्यों के पास अलग-अलग गैस कनेक्शन हैं तो प्रत्येक सदस्य के गेस कनेक्शन की एलपीजी आईडी को सीडिंग किया जाएगा। गेहूं का वितरण 5 नवम्बर से ही किया जायेगा। गेहूं प्राप्त करने से पहले आधार सीडिंग, एलपीजी आईडी सीडिंग और ई-केवाईसी को पूरा करना अनिवार्य होगा। ऐसे लाभार्थी जिनका आधार नंबर राशन कार्ड में पहले से सीड नहीं है, उन्हें राशन की दुकान पर जाकर अपना आधार नंबर सीड करवा कर ई-केवाईसी करवानी होगी।

पीहर आई महिला के बैग से दस लाख के जेवरात चोरी

जोधपुर, (कासं)। जालेली नायला में अपने पीहर आई एक महिला के बैग से दस लाख के जेवरात चोरी हो गए। मामला 6 सितंबर का है। पुलिस ने परिवाद पर अब केस दर्ज कर अनुसंधान आरंभ किया है। घटना के समय पीहर पक्ष के लोग घर ही थे। रमजान का हत्था आशपुरा तिगरा डांगियावास की रहने वाली पूजा पत्नी गौतम जाट की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया कि वह 6 सितंबर को अपने पीहर जालेली नायला आयी थी। यहां पहुंचने पर उसने अपने बैग से मंगलसूत्र निकाल कर पहन लिया था, कुछ गीले कपडे बैग में थे उसे सुखाने के लिए डाल दिया गया था। घर में उसकी मां पिता के साथ अन्य लोग भी थे। उसके पास में दो बैग थे, एक बैग में उसने अपने सारे जेवरात रख दिए थे। मगर जब वह वापिस अपने ससुराल पहुंची और बैग चैक किया तो उसने रखे सोने चांदी के जेवरात जिनमें 42 ठााम का रखडी सेट , 55 ठााम सोहनकंठी, चांदमाला झेला 24 ठााम, दो अंगुठियां 10 ठााम, गले का हार 12 ठााम, चांदी की साठ तोला छड़ा जोड़ी, आर्टिफिशियल शीशफूल, के साथ केंटिन का स्मार्ट कार्ड, एसबीआई वीसा कार्ड- डेबिट कार्ड के साथ आधार कार्ड इत्यादि थे। जोकि चोरी हो गए। डांगियावास थाने में घटना के बाद रिपोर्ट दी गई, मगर पुलिस ने परिवाद में रख कर अब केस दर्ज किया है।

शहजाद खान का स्वागत

जालोर, (कासं)। सिलावट समाज जालोर के लोगों ने शहजाद खान सीनियर नर्सिंग ऑफिसर जिला चिकित्सालय जालोर को राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जालौर का जिलाध्यक्ष बनने पर मोमेंटो,माला व साफा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। शहजाद खान के लोगो के प्रति सेवा भाव व समर्पण को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। शहजाद खान समाज सेवा, मानव सेवा, जन सेवा, पौधारोपण, श्रमदान , पशु पक्षियों की सेवा के कार्यों में भी हमेशा तत्पर रहते हैं। खान का अध्यक्ष बनना समाज के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर सिलावट समाज पेश ईमाम सलीम मुस्तफाई,हबीब रहमान, रूबाब खान, जाकिर खान एफ, रफीक खान,जाहिद हुसैन, रफीक खान,आदि मौजूद थे।

जनसुनवाई 7 को

जालोर, (कासं)। जिले में त्रिस्तरीय जनसुनवाई के तहत आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं के समाधान के लिए जिले के सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर 7 नवम्बर को प्रात: 11 बजे से पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि नवम्बर माह के प्रथम गुरूवार 7 नवम्बर को ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई शिविर आयोजित किये जायेंगे। जनसुनवाई के दौरान आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई कर उनका समाधान किया जायेगा

गुडामालानी में आज क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

गुडामालानी,(निसं)। गुडामालानी मुख्यालय पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान परिसर में तीन दिवसीय रावणा राजपूत समाज क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाखरसिंह सोनडी रावणा राजपूत समाज जिलाध्यक्ष बाडमेर,युवा उद्यमी बादलसिंह दहिया,उपप्रधान पं.स. बाडमेर छोटूसिंह पंवार, भंवर विश्वनाथसिंह राठौड, अमरसिंह सोलंकी, गजेन्द्रसिंह गोहिल,गोरधनसिंह जहरीला, रा.रा समाज खेल मंत्री गजेन्द्रसिंह राठौड,भोमसिंह कुंपावत, हरिसिंह राठौड, लक्ष्मणसिंह धानेरा, अध्यक्ष किशनसिंह गोहिल,युवा अध्यक्ष चतरसिंह चौहान,अशोकसिंह राजावत, राजु सिंह, विक्रम सिंह जाली खेडा सहित अतिथियों द्वारा फिता काटकर शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि भाखरसिंह सोनडी ने संबोधित करते हुए कहा कि युवा खेल को खेल की भावना से खेले और भी क्रिकेट के अलावा अन्य खेलो को बढावा देवे। जिससे आपसी तालमेल रहने के साथ समाज में एकता बनीं रहे। भंवर विश्वनाथसिंह राठौड ने कहा कि युवा नशे से दूर रहे ओर युवा के साथ साथ बालिकाओं को भी खेल की क्षेत्र में बढावा देने की बात कही। एवं कहा कि देश में फैल रहे जातिवाद कि भावना को छोड़कर सनातन धर्म ओर अपनी संस्कृति को बनाए रखने कि बात कही। अशोक सिंह राजावत ने कार्यक्रम में आए अतिथियों एवं समस्त टीमों तथा भामाशाहों का सम्बोधित कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में नरपतसिंह भाटी, जगसिह राजावत,गजेंद्र सिंह गांधव,पृथ्वीराज सिंह चौहान, मुकेश सिंह चौहान, दिनेश सिंह चौहान, दलपतसिंह भाटी,महेंद्रसिंह परमार, प्रकाशसिंह वाघेला,रमेश सिंह, जीतूसिंह, राजू सिंह परमार सहित समस्त रावणा राजपूत समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जोधपुर एवं जोधपुर ग्रामीण इनवेस्टर मीट का भव्य आयोजन

जोधपुर । संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के माध्यम से सूर्यनगरी सहित संपूर्ण प्रदेश का कायाकल्प होगा। सभी जिलों में हो रहे इन्वेस्टर मीट में निवेशक उत्साह के साथ भाग लेकर करोड़ों रुपए के एमओयू करे रहे है। पटेल ने कहा मारवाड़ी समुदाय विश्व भर में उद्यिमता के क्षेत्र अपनी पहचान रखता है।आर्थिक चक्र देश एवं प्रदेश के विकास की मुख्य धुरी है। उन्होंने कहा निवेश से प्रदेश का समठा आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा। साथ ही, राजस्थान वर्ष 2027 तक ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर प्रदेश बन जाएगा। जिसकी बदौलत उद्योगों को आवश्यकता के अनुरूप बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को जोधपुर स्थित इण्डाना पैलेस में राइजिंग राजस्थान के तहत जोधपुर एवं जोधपुर ठाामीण इनवेस्टर मीट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पटेल ने कहा राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में उद्यम प्रोत्साहन के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। साथ ही, औद्योगिक क्षेत्र को भूमि उपलब्ध करवाने के लिए 'लैंड बैंक' बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके लिए भूमि आवंटन के नियमों का सरलीकरण किया जा रहा है। साथ ही जोधपुर की स्थानीय औद्योगिक समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों एवं उद्यिमयों के साथ बैठक कर समाधान किया जाएगा। पटेल ने कहा सिंगल विंडो सिस्टम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों एवं उद्यिमयों के अनुकूल नीतियों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना, यमुना जल समझौता, लिफ्ट केनाल तृतीय फेज सहित विभिन्न परियोजनाओं के कार्य पूर्ण होने पर उद्योगों के लिए आवश्यक जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, शहर विधायक अतुल भंसाली ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया और अपने सुझाव और क्षेत्र की बातों को रखा। संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह ने जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा किए गए एमओयू एवं नवीन योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यालय नगर पालिका आहोर (जालोर) राज.

क्रमांक : न.पा.आहोर/2024-25/1307 दिनांक 28.10.2024

आपत्ति आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा नगर पालिका क्षेत्र आहोर के सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदको के द्वारा नीचे वर्णित भूमियों में राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 धारा 69ए, के अन्तर्गत पट्टा हेतु कार्यालय में निम्न लिखित पत्रावलीया प्रस्तुत कि गई है :-

क्र. स.	पत्रावली नाम व पता	आवेदित स्थल	क्षेत्रफल (वर्ग फिट)	प्रयोजनार्थ
1	श्री छगन/माधुजी वैष्णव, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	675	69क् पट्टा
2	श्रीमति मन्जु कंवर/रतनसिंहजी रावणा राजपूत, आहोर	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	1925	69क् पट्टा
3	श्री गमनाराम/सांकलारामजी सुथार, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	900	69क् पट्टा
4	श्री फुटरमल/सांकलारामजी सुथार, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	900	69क् पट्टा
5	श्री अम्बालाल/छतराजी प्रजापत, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	1590	69क् पट्टा
6	श्री कुयाराम/मोतीरामजी प्रजापति, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	1350	69क् पट्टा
7	श्री गोविन्दराम/वरदाजी सुथार, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	2700	69क् पट्टा
8	श्रीमति लूंगा देवी/जवानसिंहजी, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	325	69क् पट्टा
9	श्रीमति रतन कंवर/दलपतसिंहजी रा.रा., आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	1500	69क् पट्टा
10	श्री राजाराम पटेल/धनारामजी चौधरी, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	1350	69क् पट्टा
11	श्रीमति रेखा/जोगारामजी खारवाल, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	2700	69क् पट्टा
12	श्री फुयाराम/रूपारामजी प्रजापति, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	1350	69क् पट्टा
13	भावना/समारामजी प्रजापत, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	1350	69क् पट्टा
14	श्रीमति बच्छूदेवी/मांगीलालजी दमामी, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	1350	69क् पट्टा
15	श्रीमति जबरीदेवी/महेन्द्र कुमार दमामी, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	675	69क् पट्टा
16	श्री भैराराम/रूपारामजी प्रजापत, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	1350	69क् पट्टा
17	श्री हंसाराम/लुम्बाजी प्रजापत, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	1350	69क् पट्टा
18	श्री सुजीत जोन/एम.सी.जोन, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	1350	69क् पट्टा
19	श्री अशोक कुमार/मोराराम नट, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	2000	69क् पट्टा
20	श्रीमति सुका कंवर/भीमसिंहजी रा.रा., आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर।	675	69क् पट्टा
21	श्री रमेश कुमार/घेवरचंदजी सोनी, आहोर।	वार्ड नं. 24, हॉस्पीटल के सामने, आहोर।	252	69क् पट्टा
22	श्री जितेन्द्र कुमार/पारसमलजी जैन, आहोर।	आठ निम्बड़ी सेरी, आहोर।	2231.3	69क् पट्टा
23	श्री अर्जुन मकवाना/भोमारामजी मेघवाल, आहोर।	मेघवालो का वास, आहोर।	1562.5	69क् पट्टा
24	श्री भंवरलाल, मदनलाल, नरपत कुमार/मांगीलालजी जैन, आहोर।	लखारो का वास, आहोर।	2368	69क् पट्टा
25	श्री छगनलाल/चुन्नीलालजी जैन, आहोर।	मोचीयों का वास, आहोर।	1270.88	69क् पट्टा

उपरोक्त आवेदको कि पत्रावलियों के संबंध में किसी भी व्यक्ति को वेध आपत्ति है तो वे सात दिवस के भीतर-भीतर लिखित मय सबूत के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय दिवस में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मियाद गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति नही ली जायेगी प्रस्तुत आवेदनों पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। सूचित रहे।

राज.संवाद/सी/24/7253 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका आहोर (जालोर) राज.

क्रमांक : न.पा.आहोर/2024-25/1304 दिनांक 28.10.2024

आपत्ति आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा नगर पालिका क्षेत्र आहोर के सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदको के द्वारा नीचे वर्णित भूमियों में राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 धारा 69ए, के अन्तर्गत पट्टा हेतु कार्यालय में निम्न लिखित पत्रावलीया प्रस्तुत कि गई है :-

क्र. स.	पत्रावली नाम व पता	आवेदित स्थल	क्षेत्रफल (वर्ग फिट)	प्रयोजनार्थ
1	उमाराम/प्रागारामजी देवासी,रबारीयो का वास,वार्ड नं . 19 आहोर	,रबारीयो का वास,आहोर	1870	69क् पट्टा
2	श्री प्रजापति नेमाजी व प्रजापति खेताजी/नाथाजी, आहोर।	सरिया देवी गली, आहोर।	903	69क् पट्टा
3	श्री टीकमाराम/नाथाजी प्रजापत, आहोर।	सरिया देवी गली, आहोर।	903	69क् पट्टा
4	श्री नेमाराम/भगारामजी भील, आहोर।	भीलो का वास, आहोर।	820	69क् पट्टा
5	श्री होसाराम/भगारामजी भील, आहोर।	भीलो का वास, आहोर।	820	69क् पट्टा
6	श्री भीमाराम/भगारामजी भील, आहोर।	भीलो का वास, आहोर।	820	69क् पट्टा
7	श्री ओबाराम/प्रगारामजी देवासी, आहोर।	रबारियो का वास, आहोर।	1312.5	69क् पट्टा
8	श्री वचनाराम/सवाजी देवासी, आहोर।	रबारियो का वास, आहोर।	2560	69क् पट्टा
9	श्रीमति शशिकला/महेन्द्र कुमार जैन, आहोर।	सोलंकीयो का वास, आहोर।	1500	69क् पट्टा
10	श्री शांतिलाल/सोनाराम प्रजापत, आहोर।	शिव कॉलोनी, आहोर।	1400	69क् पट्टा
11	श्रीमति पुनम कॅवर/भरतसिंहजी रावणा राजपूत, आहोर	बोटीया वास, आहोर।	1430	69क् पट्टा
12	श्रीमति गंगा देवी/सवाराम भील, आहोर।	मेघवालो का वास, आहोर।	3182.5	69क् पट्टा
13	श्रीमति इन्द्रादेवी/भंवरसिंहजी रावणा राजपूत, आहोर।	रबारियो का वास, आहोर।	2800	69क् पट्टा
14	श्री मुकेश कुमार/दुदारामजी मेघवाल, आहोर।	मेघवालो का वास, आहोर।	1640.8	69क् पट्टा
15	श्री समाराम/रघुनाथजी चौधरी, आहोर।	मोचियो का वास, आहोर।	1925	69क् पट्टा
16	श्री सतीश/भगाराम भील, आहोर।	भीलो का वास, आहोर।	820	69क् पट्टा
17	श्री खीमाराम/हेमारामजी खवास, आहोर।	रावलो वाला, आहोर।	1000	69क् पट्टा
18	श्री सुरेन्द्रसिंह/मोहनसिंहजी रावणा राजपूत, आहोर।	हरिओम कॉलोनी, आहोर।	5600	69क् पट्टा
19	श्रीमति छगनी देवी/कुपारामजी घॉची, आहोर।	नेहरू कॉलोनी, आहोर।	3000	69क् पट्टा
20	श्रीमति दमयंती सुथार/घिसुलालजी सुथार, आहोर।	जालोर-फालना रोड़, आहोर	2332	69क् पट्टा
21	श्रीमति सुन्दर/नथमलजी जैन, आहोर।	कांगो की सेरी, आहोर।	690.52	69क् पट्टा
22	श्री जैसाराम/डायारामजी सुथार, आहोर।	सुथारो का वास, आहोर।	627	69क् पट्टा
23	श्री मूलाराम/राजारामजी मेघवाल, आहोर।	मेघवालो का वास, आहोर।	934.8	69क् पट्टा
24	श्री ललित/सांकलारामजी सुथार, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	900	69क् पट्टा
25	श्रीमति कंकू/सांकलारामजी सुथार, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर।	1508	69क् पट्टा

उपरोक्त आवेदको कि पत्रावलियों के संबंध में किसी भी व्यक्ति को वेध आपत्ति है तो वे सात दिवस के भीतर-भीतर लिखित मय सबूत के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय दिवस में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मियाद गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति नही ली जायेगी प्रस्तुत आवेदनों पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। सूचित रहे।

राज.संवाद/सी/24/7254 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका आहोर (जालोर) राज.

क्रमांक : न.पा.आहोर/2024-25/1313 दिनांक 28.10.2024

आपत्ति आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा नगर पालिका क्षेत्र आहोर के सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदको के द्वारा नीचे वर्णित भूमियों में राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 धारा 69ए, के अन्तर्गत पट्टा हेतु कार्यालय में निम्न लिखित पत्रावलीया प्रस्तुत कि गई है :-

क्र. स.	पत्रावली नाम व पता	आवेदित स्थल	क्षेत्रफल (वर्ग फिट)	प्रयोजनार्थ
1	श्री ओबाराम/प्रागारामजी देवासी रेबारीयो का वास, वार्ड सं. 19 आहोर।	रेबारीयो का वास, वार्ड सं . 19 आहोर	1312.5	69क् पट्टा
2	श्री वचनाराम/सवाजी देवासी रेबारीयो का वास, वार्ड सं. 19 आहोर।	रेबारीयो का वास, वार्ड सं. 19 आहोर	2560	69क् पट्टा
3	श्रीमति विमला कॅवर/स्वः पकंजसिंहजी रावणा राजपूत हनुमान कॉलोनी, वार्ड सं. 27, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, वार्ड सं . 27, आहोर	3000	69क् पट्टा
4	श्रीमति छगन देवी/सवारामजी, हनुमान कॉलोनी, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, आहोर	1350	69क् पट्टा
5	श्री पारसमल सोनी/रतनचंदजी सोनी, भूखंड़ सं. 437, गुरू राजेन्द्र नगर, आहोर।	भूखंड़ सं . 437, गुरू राजेन्द्र नगर, आहोर।	1800	69क् पट्टा
6	श्रीमति मुमताज बानू /स्वः सुलेमान खॉन इन्द्रा कॉलोनी, वार्ड सं. 27, आहोर	इन्द्रा कॉलोनी, वार्ड सं . 27, आहोर	1350	69क् पट्टा
7	श्रीमति सविता कॅवर पत्नि पदमसिंहजी रावणा राजपुत अनोप चौक, आहोर	अनोप चौक, आहोर	1875	69क् पट्टा
8	श्री समाराम/वरदाजी प्रजापत, हनुमान कॉलोनी, आहोर।	हनुमान कॉलोनी, वार्ड सं. 27 आहोर।	1350	69क् पट्टा
9	श्रीमति किरण/रतनलालजी हरिजन इन्द्रा कॉलोनी, भूखंड़ सं. 01, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, भूखंड़ सं . 01, आहोर।	1350	69क् पट्टा
10	श्रीमति सीता देवी/जोईतारामजी प्रजापत इन्द्रा कॉलोनी, भूखंड़ सं. 72, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, भूख ंड़ सं. 72, आहोर।	1350	69क् पट्टा
11	श्रीमति पोनी देवी/कुयारामजी प्रजापत मादड़ी, हॉल- आहोर	गुरू राजेन्द्र नगर भूखंड़ सं . 10, आहोर।	250	69क् पट्टा
12	श्रीमति दरिया देवी/भंवरलालजी राजपुरोहित, आहोर।	सत्यनारायण मंदिर की गली, वार्ड नं. 15, आहोर।	855	69क् पट्टा
13	श्रीमति दरिया देवी/भंवरलालजी राजपुरोहित, आहोर।	इन्द्रा कॉलोनी, आहोर	1500	69क् पट्टा
14	श्री चन्दनसिंह/भंवरलालजी राजपुरोहित, आहोर।	आनन्द नगर, श्री मोहनानंदजी आश्रम के पास, आहोर	1200	69क् पट्टा
15	श्री चंदुलाल/जामतराय पढियार (सोनी), आहोर।	महालक्ष्मी मंदिर के पास, आहोर।	720	69क् पट्टा
16	श्री चेतनराम/केसारामजी देवासी, आहोर।	रबारियों का वास, आहोर।	2522.05	69क् पट्टा
17	श्री शंकरलाल/केसारामजी देवासी, आहोर।	रबारियों का वास, आहोर।	2542.4	69क् पट्टा
18	शा सुमेरमल जैन/धूपचन्दजी जैन, आहोर।	सुभाष चौक, वार्ड नं . 14 आहोर।	2300	69क् पट्टा
19	श्री फुटरमल/नेमारामजी लुहार, आहोर।	मेघवालो का वास, आहोर।	2048.95	69क् पट्टा
20	श्री घेवाराम/नेमाराम जी लुहार, आहोर।	मेघवालो का वास, आहोर।	2098.4	69क् पट्टा
21	श्री अमृतलाल/घीसालाल जी जैन, आहोर।	आठ निम्बड़ी सेरी, आहोर।	2565	69क् पट्टा
22	श्री अमृतलाल/घीसालाल जी जैन, आहोर।	मांगलिया वास, आहोर।	1800.3	69क् पट्टा
23	श्री राणाराम/उकारामजी देवासी, आहोर।	रबारियों का वास, आहोर।	1508.94	69क् पट्टा
24	श्रीमति चौथी देवी/गणेशारामजी सरगरा, आहोर।	मीणो का वास, आहोर।	2090	69क् पट्टा
25	श्रीमति सेवन्ती/रमेश कुमार मेहत्तर, आहोर।	मीणो का वास, आहोर।	1740.5	69क् पट्टा

उपरोक्त आवेदको कि पत्रावलियों के संबंध में किसी भी व्यक्ति को वेध आपत्ति है तो वे सात दिवस के भीतर-भीतर लिखित मय सबूत के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष कार्यालय दिवस में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मियाद गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति नही ली जायेगी प्रस्तुत आवेदनों पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। सूचित रहे।

राज.संवाद/सी/24/7279 अधिशाषी अधिकारी

रीट परीक्षा-2021 में फर्जीवाड़ा करने का इनामी आरोपी मोटाराम गिरफ्तार

सिद्धपुर, गुजरात में होटलों पर तथा रिश्तेदारी में छुपकर फरारी काट रहा था आरोपी

बालोतरा, (निसं)। पुलिस थाना बालोतरा ने 25 हजार रूपए के इनामी अपराधी मोटाराम को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोटाराम जिला बालोतरा की टॉप-10 सूची में शामिल था तथा रीट परीक्षा 2021 में फर्जीवाड़े सहित कई प्रकरण में तीन वर्ष से फरार था।

एसपी बालोतरा कुंदन कंवरिया ने बताया कि जिले में वांछित व इनामी अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जारी दिशा-निर्देशानुसार गोपालसिंह भाटी आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा एवं अनिल पुरोहित, आरपीएस, वृताधिकारी बालोतरा के सुपरविजन में ओमप्रकाश बिश्नोई थानाधिकारी बालोतरा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा रीट परीक्षा, 2021 में असल अभ्यर्थी की जगह डमी/फर्जी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा उत्तीर्ण करवाने आदि प्रकरण में तीन वर्ष से फरार 25 हजार रूपये के

बालोतरा पुलिस ने आरोपी मोटाराम को गिरफ्तार किया।

इनामी अपराधी मोटाराम को गिरफ्तार किया। रीट भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वालों में मोटाराम भी शामिल था। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए प्रकरण में शेष 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर बाद अन्वेषण न्यायिक अभिरक्षा में मिजवाये गये।

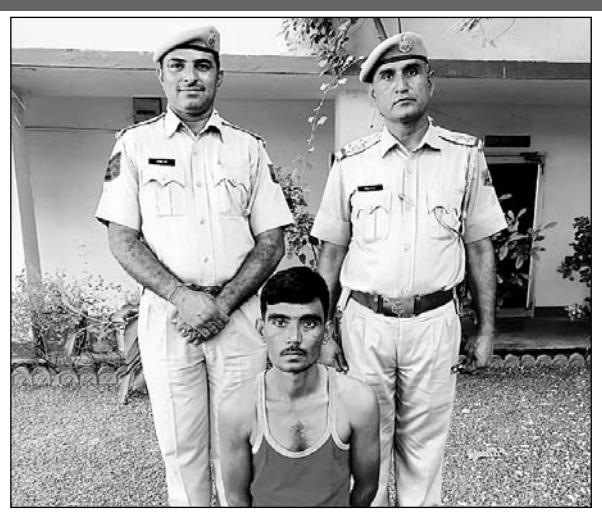

शेष फरार आरोपियों के विरुद्ध 25-25 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया था। वांछित आरोपियों की दस्तयाबी बाबत् विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा आसूचना संकलन एवं तकनीकी सहायता से अथक प्रयास करते हुए प्रकरण में वांछित इनामी अपराधी मोटाराम पुत्र बाबूलाल विश्नोई निवासी राजीव नगर पुलिस थाना सांचौर जिला सांचौर को गिरफ्तार किया। आरोपी मोटाराम प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस के भय से छुप रहा था। सिद्धपुर, गुजरात में खाने की होटलों पर तथा अपने रिश्तेदारी में अलग-अलग जगह पर छुपकर फरारी काट रहा था, जो दीपावली पर्व पर अपने घर पर आने की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा दबीश देकर उसके रहवासीय घर के पास खेत में फसल कटाई के दौरान दस्तयाब किया गया।

- **दीपावली पर्व पर अपने घर पर आने की सूचना पर पुलिस टीम ने दबीश देकर रहवासीय घर के खेत में फसल कटाई के दौरान आरोपी को पकड़ा**

प्रकरण में अब तक कुल 19 मुलजिम गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वहीं रीट परीक्षा 2021 अनुचित तरीके से उत्तीर्ण करने के लिए अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी हापूराम को बैठाने के लिए हापुराम व मोटाराम का मिश्रित फोटो स्कैन करके कूटरचना करने के लिए षडयंत्रकारी रमेश को अपने फोटो व शैक्षणिक दस्तावेज देकर रीट परीक्षा का कूटरचित आवेदन किया था। उक्त डमी अभ्यर्थी हापुराम व षडयंत्रकारी रमेश को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

बिना पोस्टमार्टम के ही कोचिंग छात्र का शव ले गए परिजन

छात्र की मौत साइलेंट हार्ट अटैक से बताई जा रही है

- **विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें हार्ट अटैक के सिम्टम्स नजर नहीं आए हैं, हार्ट के अन्य कारण की वजह से भी मौत हो सकती है**
- **'स्टूडेंट को सिर दर्द की शिकायत थी, जिसका इलाज चल रहा था'**

कोटा, (निसं)। कोटा में इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्र की मौत साइलेंट हार्ट अटैक से बताई जा रही है जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें हार्ट अटैक के सिम्टम्स नजर नहीं आए हैं। हार्ट के अन्य कारण की वजह से भी मौत हो सकती है। छात्र अपनी मां के साथ तलवंडी इलाके में रहता था।

पुलिस उप अधीक्षक प्रथम योगेश शर्मा ने बताया कि 18 वर्षीय छात्र अथर्व रंजन अपनी मां के साथ तलवंडी इलाके में एक पीजी में रहता था। वह निजी कोचिंग संस्थान में इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी पिछले डेढ़ साल से कर रहा था। मां उसे जगाने गई तो उसके मुंह से झाग निकल रहे थे। आनन-फानन में महिला बेटे को निजी अस्पताल लेकर पहुंची जहां पर उपचार के दौरान छात्र ने दम तोड़ दिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मोर्चरी में शिफ्ट किया।

हैड कॉन्स्टेबल राजूलाल ने बताया कि सोमवार सुबह मृतक के चाचा आयुष रंजन जयपुर से कोटा आए। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम करवाने से लिखित में इनकार कर दिया और दाह संस्कार के लिए शव को पटना ले गए। स्टूडेंट को सिर दर्द की शिकायत थी जिसका इलाज चल रहा था। बताया जा रहा है कि अथर्व रविवार को नाश्ते के बाद सिर दर्द की दवाई लेकर सोया था। कोटा मेडिकल कॉलेज के कॉर्डियोलॉजी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. हंसराज ने बताया कि मौत का कारण तो पोस्टमॉर्टम होने पर ही सामने आयेगा। मुंह से झाग निकलने के 3 कारण हो सकते हैं। पहला उसे कोई दौरा (सीजर) आया हो और दिमाग़ की कोई दवा चल रही हो। सीजर के दौरान रेसप्रेट कर गया हो। दूसरा उसे धड़कन की प्रॉब्लम हुई हो। तीसरा सस्पेक्टेड पॉइजन का मैटर हो। डॉ. हंसराज ने बताया कि इस केस में साइलेंट हार्ट अटैक के सिम्टम्स नजर नहीं आ रहे हैं। धड़कन की प्रॉब्लम की वजह से भी ऐसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता की पिछले एक-दो सालों में पहले के मुकाबले 45 साल से कम उम्र के लोगों की मौत साइलेंट हार्ट अटैक से हो रही है। इस दौरान ये आंकड़ा करीब 15 से 20 प्रतिशत बढ़ गया है।

आईसीएमआर की ताजा स्टडी रिपोर्ट बताती है कि भारत में 4 करोड़ मरीज दिल की बीमारी के हैं। हर साल 7 लाख लोगों की हार्ट अटैक से मौत हो जाती है। राजस्थान में यह आंकड़ा सालाना 50 हजार है। डॉक्टर इसका सबसे बड़ा कारण डायबिटीज को मानते हैं। देश में 8 करोड़ डायबिटीज के मरीज हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर हार्ट अटैक से बचना है तो डायबिटीज को कंट्रोल रखना होगा। डॉ.हंसराज कहते हैं कि लोगों को कम से कम 1 साल में एक बार बेसिक जांच कराते रहना चहिए।

पिता को किडनैप कर बेटे से फिरौती मांगी

बीकानेर, (निसं)। यहां एक ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के साथ अपहरण और फिरौती के मामले में बीछवाल पुलिस दो दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है। पुलिस की टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में छानबीन कर रही है लेकिन कोई बड़ा इनपुट पुलिस के हाथ नहीं लगा है।

बीछवाल थाना क्षेत्र में स्थित करणी इंडस्ट्रियल एरिया से एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक रामरख जाट को तीन बदमाश जबरन उठाकर ले गए। रामरख की कनपटी पर पिस्तौल रखकर ये लोग जबरन एक वाहन में ले गए। बाद में रामरख के बेटे अनोपाराम को फोन करके कहा कि घर में जितना भी सोना और नगदी है, वो लेकर आएं। घबराकर बेटा सोने के गहने लेकर पहुंचा। बदमाश गाड़ी चलाकर उसे गांधी नगर के पास रजिस्ट्रार ऑफिस से गंगानगर चौराहे होकर उसे भीम नगर ले गए। जहां बेटे ने उसे सोने का बाजूबंद, गले की ठुसी, कानों के झुमके और अन्य गहनों की पोटली सौंप दी।

बदमाशों ने गहनों की पोटली लेने के बाद रामरख को कोलायत रोड पर छोड़ दिया। इस दौरान उसके बेटे अनोपाराम को वीडियो कॉल किया गया और वीडियो कॉल बंद नहीं करने की चेतावनी दी गई। अनोपाराम ने सावधानी से दूसरे कॉल से बात करके अपने चाचा केशुराम को सूचना दी। केशुराम ने पुलिस को सूचना दी। नाकेबंदी भी हुई लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया- अब तक इस मामले में कोई इनपुट हाथ नहीं लगा है। मामले की गंभीरता से छानबीन की जा रही है। अलग-अलग टीम गठित करके सभी को अलग-अलग दिशाओं में काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

दो दोस्तों की नाडी में डूबने से मौत, परिवारों में मातम

शाहपुरा/भीलवाड़ा, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित केकड़ी सड़क मार्ग पर मॉडर्न स्कूल के सामने एक नाड़ी में सेल्फी खींचने के दौरान दो मित्र नाड़ी की दलदल में फस जाने से मौत हो गई।

जानकारी अनुसार मॉडल स्कूल के 9 वीं कक्षा के छात्र श्लोक जागेटिया व आईपीएस स्कूल के नवीं कक्षा के छात्र रुद्रप्रताप सिंह सौदा दोनों परम मित्र थे। दोनों मित्रों का साथ खेलना, कूदना, रहना पसंद करते थे। इनका राष्ट्रीय स्तर पर टीटी में चयन हुआ था, जिसको लेकर दोनों आज दोनों टीटी खेलने के लिए मॉडल स्कूल गए हुए थे।

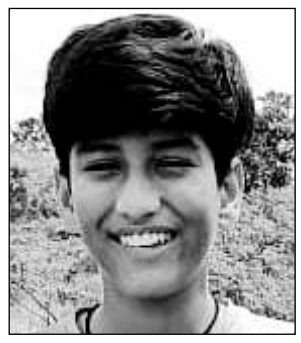

दोनों मॉडल स्कूल के पास सामने पानी से भरी नाड़ी पर फोटो खींच रहे थे। इस दौरान पैर फिसल गया। जिससे दोनों दलदल में फंस गए और हादसा

मृतक दोनों दोस्तों के फाइल फोटो।

घटित हो गया। एक छात्र ने तुरंत भाग कर सड़क पर आकर लोगों से सहायता मांगने लगा।

देखते ही देखते लोग एकत्रित हो गए तथा दोनों को बाहर निकल लिया, दोनों को तुरंत जिला चिकित्सालय शाहपुरा पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। इस दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

शेखावाटी में पारा गिरा

चूरू, (कासं)। शेखावाटी में पारे में लगातार गिरावट आने लगी है। मध्य रात्रि के बाद हल्की सर्दी महसूस होने लगी है। हालांकि पंखे आदि चलने बंद नहीं हुए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार चूरू में आज अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 15.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। पिछले दिवस की तुलना में आज यहां न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। हालांकि अधिकतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। पिछले तीन दिन में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। उधर किसानों ने बिरानी चने की बुवाई के लिए खेतों को तैयार कर लिया है। किसानों ने कहा कि बारिश होते ही बुवाई करेंगे, बिना बारिश के बिरानी चने की फसल होना सम्भव नहीं है।

बॉर्डर पार करते पाकिस्तानी युवक को पकड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीकरणपुर के नग्गी इलाके में बीएसएफ ने एक पाकिस्तानी युवक को पकड़ा है। यह युवक पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा था।

युवक जीरो लाइन क्रॉस करके भारतीय सीमा क्षेत्र में आ गया था, हालांकि उसने फेंसिंग क्रॉस नहीं की थी। बीएसएफ ने उसे ललकारा तो वह रुक गया। इस पर उसे पकड़ कर बीएसएफ पोस्ट पर लाया गया। यह युवक 1 नवंबर को पकड़ा गया था। बीएसएफ ने पूछताछ के बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी। सोमवार को बीएसएफ और पुलिस, दोनों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि युवक अभी अपने बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता रहा है। हालांकि बीएसएफ ने अब तक युवक का कोई फोटो या वीडियो जारी नहीं किया है। बीएसएफ सूत्रों ने बताया कि शुरुआती तौर पर युवक अपने बारे में कुछ भी नहीं बता रहा है। उसने अपने नाम और वह पाकिस्तान में कहां का रहने वाला है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड
(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सूचना
(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उपधारा (2) के तहत)

1. **पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड,** कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित, जिसका पंजीकृत कार्यालय **बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016** है, ने केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग नई दिल्ली के समक्ष पारेषण लाइनों, सब-स्टेशनों और अन्य संपत्तियों के संबंध में पारेषण लाइसेंस देने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उप-धारा (2) के तहत एक आवेदन किया है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-
क. मौजूदा लाइसेंस का विवरण - 215/टीएल/2024
ख. जोड़ने या हटाए जाने वाले पारेषण तत्व का विवरण:

क्र. सं.	पारेषण परिसंपत्तियों और स्थान का नाम	लाइन की लंबाई/क्षमता	अनुमानित समापन लागत	अनुसूची सीओडी (जोड़ने के मामले में)	टिप्पणियाँ
1	संबंधित ट्रांसफार्मर बे के साथ फतेहगढ़-III पीएस (सेक्शन-1 पर 5वीं आईसीटी) में ट्रांसफार्मर के साथ संवर्द्धन *1 नग 400 केवी (एआईएस) (संबंधित टाई बे सहित) और 1 नग 220 केवी (एआईएस) ट्रांसफार्मर बे	500 एमवीए 400/220 केवी आईसीटी-1 नग 400 केवी आईसीटी बे (एआईएस) (संबंधित टाई बे सहित)-1 नग 220 केवी (एआईएस) आईसीटी बे - 1 नग	₹ 58.18 करोड़	सीटीयूआईएल द्वारा ओएम जारी होने की तारीख से 18 महीने यानी 26.04.2025	विनियमित टैरिफ तंत्र के तहत लागू किया जाना है

2. आयोग के समक्ष दायर पूरा आवेदन और अन्य दस्तावेज सभी की पहुंच के लिए पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.powergrid.in/subsidiaries** पर उपलब्ध हैं। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के कार्यालय-द्वारा ईडी (टीबीसीबी), पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-29, गुड़गांव 122001 में श्री एस. के. मिश्रा, परियोजना प्रभारी पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड या आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार आयोग के कार्यालय में भी किया जा सकता है।
3. आपत्तियां या सुझाव, यदि कोई हों, समाचार पत्र में नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर आवेदक या उसके अधिकृत एजेंट को आपत्ति(ओं)/सुझाव(ओं) की एक प्रति के साथ सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, 6वीं, 7वीं और 8वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 के समक्ष दाखिल किए जाएं।

स्थान: जैसलमेर
दिनांक: 05.11.2024
परियोजना प्रभारी, पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड
PG/CC/Notice-120 (TBCB)/Advt-154/24-25 Contad

3.39 लाख बालिकाओं को गार्गी और बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार मिलेगा

बीकानेर, (निसं)। 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक हासिल करने वाली राज्य की 3.39 लाख बालिकाओं को गार्गी और बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा जाएगा। बालिका शिक्षा फाउंडेशन ने पात्र बालिकाओं के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पिछले माह शुरू कर दी है। 17 दिन में करीब 30 फीसदी बालिकाओं ने शाला दर्पण पोर्टल पर पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवंबर निर्धारित है।

फिलहाल स्कूलों में मध्यावधि अवकाश की छुट्टियां चल रही है। इस कारण पिछले चार में आवेदन की संख्या काफी कम रही है। बालिका शिक्षा फाउंडेशन के आंकड़ों के मुताबिक 1.08 लाख बालिकाओं को गार्गी की प्रथम किस्त 3 हजार रुपए तथा 79007 बालिकाओं को द्वितीय किश्त के लिए चयनित किया गया है। वहीं बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार में राज्य की 1.51 लाख बालिकाएं पात्र हैं। कुल 3.39 लाख बालिकाओं में से 17 दिन में 98989 बालिकाओं ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। शेष रही छात्राएं भी समय पर आवेदन करें। फाउंडेशन के अधिकारियों ने संबंधित जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

- **70 प्रतिशत बाकी, 30 नवंबर तक नामांकन होंगे**

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट- www-udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा/2024-25/ई -23 दिनांक :- 04.11.2024
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 23/2024-25
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 166.49 लाख के कुल 12 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 04.11.2024 एवं अंतिम तिथि 13.11.2024 तथा निविदा खुलने की तिथी 14.11.2024 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2425WSOB00128
राज.संवाद/सी/24/7286 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

RAJASTHAN SAMWAD
Department of Information and Public Relations, Government Secretariat, Jaipur-302005
(Telephone No. 0141- 2227325, E-mail id :- dipr.rajasthan@gmail.com, rajasthansamwad2002@gmail.com)
NOTICE INVITING BIDS
NIB No. 145 Date : 04/11/2024
Bids for **Providing Services of Live Streaming of State Government events with Multi Camera Setup** are invited from interested bidders up to 03:00 PM 22/11/2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (**http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in**) of the state; and **https://dipr.rajasthan.gov.in/**. The approximate value of the procurement is **Rs. 50 Lakh. (Rs. in Word Fifty Lakhs only). UBN : IPR2425SLRC00025**
Raj.Samwad/C/24/7301 Managing Director

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ML Bajri-XVI)/2024/ई-08940
ई-नीलामी विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत विभाग के अप्रधान खनिजों के खननपट्टों के आवंटन के लिए 22 प्लॉट ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर खुली बोली आमंत्रित की जाती है। संप्ति विवरण इस प्रकार है-

क्र.सं.	जिला	ग्राम (तहसील)	खनिज	कुल प्लॉट
1	ब्यावर	गुड़िया (रायपुर), जालिया-II (विजयनगर)	बजरी	02
2	राजसमन्द	मोही, अमलोई, फतेहनगर (राजसमन्द), बड़लिया, भूरवाडा, ओड़ा चौकड़ी, पीपली, अहिरान (कुवांरिया, रेलमगरा)	बजरी	04
3	टोंक	वशीपूरा, लाक, डोडवाड़ी, मूंडिया, मारोडा (पीपलू)	बजरी	05
4	जोधपुर (ग्रामीण)	चौढा, बेनण, जाटियावास, बुचकला, बांकलिया, जसपाली (पीपाड़ शहर)	बजरी	04
5	शाहपुरा	तरनियांखेड़ा, ओडियाखेडा, जामोली, रामगढ, रावतोडा, रामपुरा (जहाजपुर)	बजरी	04
6	सिरोही	नया सानवाडा, कोटडा, वीरवाडा, उन्दरा, परलाई (पिण्डवाडा)	बजरी	01
7	बालोतरा	कनाना (पचपदरा)	बजरी	01
8	चित्तौडगढ़	उमण्ड व करूकडा, हिंगवानिया, गुदंली (कपासन व भूपालसागर)	बजरी	01
	कुल			22

विशेष नोट-
1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण-ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।
DIPR/C/10768/2024 (भगवती प्रसाद) IAS निदेशक

अनीता चौधरी हत्याकांड : सरदारपुरा के बाजार बंद रहे

- **जाट युवा मंच ने पुलिस की जांच को नाकाफी बताते हुए सीबीआई जांच की मांग रखी है।**
- **हत्याकांड के मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन फारूकी की पत्नी आबिदा परवीन ने संकेत दिए कि इस हत्याकांड में कुछ और लोग भी शामिल थे**
- **मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन पुलिस की गिरफ्त से बाहर, अनीता चौधरी का शव अस्पताल की मोर्चरी में रखा है**

जोधपुर, (कासं)। अनीता चौधरी हत्याकांड में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। हालांकि पुलिस इसकी पुष्टि नहीं कर रही है। हत्याकांड को लेकर सोमवार को जोधपुर सरदारपुरा व्यापारी संघ ने दोपहर एक बजे तक अपने प्रतिष्ठान स्वैच्छापूर्ण से बंद कर विरोध जाहिर किया। हत्या का आरोपी अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है। जाट युवा मंच ने पुलिस की जांच को नाकाफी बताते हुए सीबीआई जांच की मांग रखी है। जारी प्रेस विज्ञिप्त में कई सवालों को उठाया गया है, जिसे पुलिस द्वारा अब तक स्पष्ट नहीं किया जा सका है। कई नामी गिरामी लोगों का हाथ होने की आशंका अब तक जताई जा रही है। शव आज भी अस्पताल की मोर्चरी में रखा रहा। व्यापारियों और जाट समाज ने आज सरदारपुरा गोल बिल्डिंग पर धरना दिया। सीबीआई जांच की मांग को लेकर राज्य सरकार के नाम ज्ञापन दिया गया है।

जानकारी के अनुसार रविवार को हत्याकांड के मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन फारूकी की पत्नी आबिदा परवीन ने संकेत दिए कि इस हत्याकांड में कुछ और लोग भी शामिल थे। वह स्वयं बेकसूर है और घटना वाले दिन वह अपनी बहन के यहां थी। इधर पुलिस और मृतका के परिजनों के बीच अभी गतिरोध कायम है। अनीता के शव का अब तक निस्तारण नहीं हुआ है। मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही शव का निस्तारण करने की बात समाज द्वारा कही गई है। सर्व समाज द्वारा सोमवार को इस हत्याकांड के खिलाफ गोल बिल्डिंग चौराहा पर धरना दिया गया। साथ ही सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक सरदारपुरा बाजार बंद रखा गया।

गुजरात महाराष्ट्र भागने की आशंका :- अनीता हत्याकांड के करीब एक छह दिन हो चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। सूत्रों का कहना है कि आरोपी गुलामुद्दीन राजस्थान से बाहर भाग गया है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी गुजरात या फिर महाराष्ट्र की ओर भागा होगा। वहीं आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगी हुई है।

फुटेज आए सामने :- आरोपी गुलामुद्दीन का 29 अक्टूबर का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें वो अपनी एक्टिवा के साथ नजर आया। पुलिस को गुलामुद्दीन की एक्टिवा मिली है, जिससे एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। हालांकि बरामद फोन में कोई सिम नहीं था। फिलहाल पुलिस मोबाइल की पड़ताल कर रही है।

अनिता का भी फुटेज मिला :- अनीता का दुकान से निकल कर रिक्शे में बैठते हुए जाने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। वह पीले सूट में हाथ में बैग लिए रिक्शे में बैठती नजर आ रही है। शव के पास बैग पुलिस को बरामद नहीं हुआ। वहीं गुलामुद्दीन का भी सीसीटवी फुटेज पुलिस के हाथ लगा है। इसमें वह एक्टिवा पर बैठकर जाता हुआ नजर आ रहा है। यहां एक दुकान से उसने बैग भी खरीदा था। पुलिस अनीता की हत्या के पीछे गहनों की लूट बता रही थी, लेकिन 27 अक्टूबर को जब अनीता अपने पार्लर से निकली तो वो कोई गहना नहीं पहनी थी।

वहीं अब घटना वाले दिन का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें अनीता समान्य सलवार सूट में पार्लर से निकली और ऑटो में बैठते नजर आई। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि जब उसने गहने पहने ही नहीं थे तो गुलामुद्दीन ने क्या लूटने के लिए उसकी हत्या की? क्या इस हत्या के पीछे और कुछ वजह है? हालांकि, पुलिस की ओर से इस मामले में फिलहाल तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आए हैं। केवल आरोपी गुलामुद्दीन को जल्द पकड़ की बात कही जा रही है। बरामद शव लाल लहंगे व अन्य कपड़ों में मिला था। जबकि गायब होने के दौरान मृतका ने सलवार सूट पहना था। उसके कपड़े बदले हुए थे। अनिता से दुष्कर्म की आशंका भी जताई गई है।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
राजस्थान सरकार का उपक्रम
बढ़ रहा प्रदेश बढ़ रहे उद्योग

रीको के साथ लगाएं नये उद्योग
सरल ई-नीलामी के माध्यम से
आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

कुल भूखण्ड	औद्योगिक भूखण्ड	व्यावसायिक भूखण्ड	आवासीय	दुकानें
172	146	02	10	14

ईएमडी	ऑनलाईन बिड
प्रारम्भ तिथि : 06 नवम्बर, 2024 (प्रातः 10:00 बजे)	प्रारम्भ तिथि : 21 नवम्बर, 2024 (प्रातः 10:00 बजे)
अंतिम तिथि : 20 नवम्बर, 2024 (सायं 06:00 बजे)	अंतिम तिथि : 25 नवम्बर, 2024 (सायं 05:00 बजे)

07 अजमेर	06 बालोतरा	03 बांसवाड़ा	09 भरतपुर	19 भीलवाड़ा
03 भिवाड़ी-I	09 भिवाड़ी-II	02 बीकानेर	09 बोरानाड़ा	03 चूरू
08 जयपुर (उत्तर)	08 जयपुर (ग्रामीण)	09 जयपुर (दक्षिण)	04 ईपीआईपी सीतापुरा (जयपुर)	04 झालावाड़
03 जोधपुर	06 कोटा	10 किशनगढ़	18 मण्डोर	13 पाली
01 राजसमंद	05 सवाईमाधोपुर	02 सीकर	08 श्रीगंगानगर	03 घिलोठ

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किस्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ*
*T&C Apply
सामान्य प्रश्नों के लिए स्कैन करें
Raj.samwad/C/24/7313
राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेलः riico@riico.co.in
ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें www.riico.co.in

सुखवीर सिंह चौधरी व राजाराम चौधरी सहित 14 नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नागौर और सवाई माधोपुर के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा की उपस्थिति में नागौर की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नागौर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी ने सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पूर्व सदस्यों के साथ भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं सरपंच राजाराम चौधरी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य लादूराम कुदण, यूथ कांग्रेस से मनमोहन चौधरी, विजेंद्र बसवाणा, पंचायत समिति सदस्य भोमसिंह गौड, तेजाराम चौधरी के साथ कार्यकर्ता दिनेश वैष्णव, श्रवण विश्नोई, सुखराम प्रजापत, अमृताराम जाजडा, आदुराम लेगा, काजी अतेशानुद्दीन व सवाई माधोपुर से पार्षद असीम खां के साथ भाजपा में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नागौर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी, सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पूर्व सदस्यों को दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर आमजन थाम रहा है भाजपा का दामन : मदन राठौड़

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा ने बताया कि सुखवीर सिंह चौधरी नागौर जिला परिषद के दो बार सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य रहने के साथ ही 20 सूत्रीय कार्यक्रम नागौर के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व सदस्य भी रह चुके है। इनके पिता स्व. गणेशराम मुंडवा भी राजनीति क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए प्रधान भी बने। वहीं राजाराम चौधरी भी सरपंच रहने के साथ ही पूर्व जिला परिषद सदस्य रह चुके है। पूर्व और वर्तमान में विभिन्न पदों पर रहते हुए कांग्रेस पार्टी को छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले नेताओं का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। इस दौरान वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मंच पर उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज आमजन भाजपा की रीति और नीति में विश्वास जता रहा है। एक ओर कांग्रेस पार्टी है जिसकी गलत नीतियों के चलते उसका मूल कार्यकर्ता पार्टी से दूर हो रहा है। कांग्रेस पार्टी समाज में गलत धारणाएं फैलाने का काम कर रही है, इससे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मोह भंग हो रहा है। वहीं दूसरी ओर भाजपा है जहां राष्ट्र प्रथम की नीति पर कार्य किया जाता है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित वो पार्टी है जहां कार्यकर्ताओं का सम्मान परिवार के सदस्य के रूप में किया जाता है। ऐसे में कांग्रेस के मूल कार्यकर्ता भाजपा परिवार में शामिल हो रहे है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आव्हान किया कि जो भी किसी भी राजनीतिक दल में कुंठा महसूस कर रहा है वह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा परिवार में शामिल हो सकता है। भाजपा में सबका सम्मान किया जाएगा और यहां सर्वे भवन्तु सुखिन: के भाव से कार्य किया जाएगा।

सरकार 5 साल में 10 लाख रोजगार के अवसर सृजित करेगी : सी.एम.

- 'विगत दो रोजगार उत्सवों में 28 हजार 200 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दे चुकी है'
- मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से हो रहे युवाओं के सपने साकार

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पांच वर्षों में निजी क्षेत्र में 6 लाख एवं सरकारी क्षेत्र में 4 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार अवसरों के सृजन की निरंतरता में कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। दिसंबर माह में आयोजित होने वाला तीसरा मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने की दृष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और 'सुराज संकल्प' की दिशा में अहम कदम साबित होगा।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर आगामी मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव की तैयारियों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेते हुए प्रदेश में नियमित रूप से मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। विगत दो रोजगार उत्सवों में 28 हजार 200 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दे चुकी है। अब दिसंबर माह में प्रस्तावित तीसरे मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में भी हजारों युवाओं को नियुक्तियां दी जाएगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के संकल्प पत्र के वादे को पूरा करने के लिए पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित भी कर रही है।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकाय विभाग को सफाईकर्मियों की भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शीघ्र निस्तारित करते हुए इसे पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपादित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 48 हजार 593 चतुर्थ श्रेणी एवं समकक्ष पदों तथा 3 हजार 170 वाहन चालकों की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करेगी। उन्होंने विभिन्न विभागों को निर्देशित किया कि वे भर्तियों के संबंध में अभ्यर्थना मार्च 2025 की स्थिति में भिजवाएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा पदों पर भर्तियां हो और युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिल सके। इस कार्य में कोताही बरतने पर संबंधित विभाग के अधिकारी पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। शर्मा ने परिवर्तित बजट 2024-25 की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला स्तर पर लंबित विकास कार्यों के लिए कलक्टर्स जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर जमीन आवंटन सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों को महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की सतत् मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी प्रदान किए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख शासन सचिव एवं सचिव उपस्थित रहे।

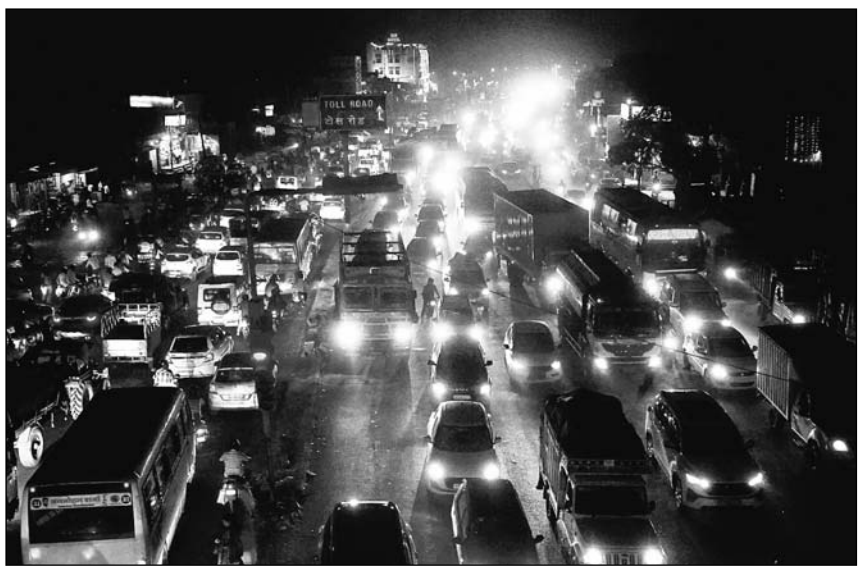

त्यौहारी सीजन में जाम लगना आम बात हो गई है। अभी दीपोत्सव के 6 दिन त्यौहार को मना कर लोग वापस अपने कार्यस्थल पर पहुंच रहे हैं जिससे सड़कों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। सीकर रोड स्थित 14 नम्बर पुलिया के पास शहर की तरफ आने वाली सड़क पर शाम को वाहन लंबे जाम में फंस गये। फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

अब संस्कृत के छात्र बनेंगे आयुर्वेद डॉक्टर

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी के प्रयास रंग लाये
- बीएएमएस पाठ्यक्रम के माध्यम से सात वर्ष और छह माह का होगा आयुर्वेद कोर्स

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माध्यम से अब देशभर में संस्कृत के छात्र आयुर्वेद में डॉक्टर बन सकेंगे। भारतीय चिकित्सा पद्धित राष्ट्रीय आयोग अधिनियम 2020 प्री आयुर्वेद प्रोगाम फॉर बैचलर ऑफ़ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी विनियम 2024 ने गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। रेजिडेंशियल स्नातक कार्यक्रम जिसमें दो वर्ष का प्री-आयुर्वेद, साढ़े चार वर्ष का बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी और एक वर्ष का अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप क्रो शामिल किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दसवीं कक्षा के बाद प्रवेश होंगा संस्कृत से 10वीं उत्तीर्ण जरूरी साढ़े सात वर्षीय बीएएमएस प्री आयुर्वेद डिग्री कोर्स में 2 वर्ष के प्री आयुर्वेद व साढ़े 4 वर्ष के बीएएमएस के साथ ही एक वर्ष की अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप का समावेश किया है। प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड सहित के संस्कृत बोर्ड ऑफ स्टेट या किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से तथा 10 प्लस 2 पैटर्न से 10वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। न्यूनतम आयु 15 वर्ष होगी। प्रवेश के लिए नीट की तर्ज पर ही आयुर्वेद गुरुकुलम की एक समान प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम इंट्रेंस टेस्ट फॉर प्री आयुर्वेद प्रोग्राम (एनईईटी-पीएपी) को 50 फीसदी अंकों से उत्तीर्ण करना होगा।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि यह नया प्रयोग एनसीएस आयुर्वेद आयोग आयुष मंत्रालय के अधिन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का एमओयू हुआ है। संस्कृत के छात्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा पूरे भारत में 25 ऐसे महाविद्यालय खोले जायेंगे। संस्कृत के छात्र बीएएमएस परीक्षा पास करके संस्कृत माध्यम से मूल ग्रंथों का अध्ययन इस तरह से एक आयुर्वेद के अध्ययन की परम्परा शुरू कर रहे 10 साल के अंदर इतने अच्छे आयुर्वेद डॉ आयेंगे जो आयुर्वेद के अच्छे विद्वान् हैं उनका प्रभाव समाज में ज्यादा हो संस्कृत क्रो आयुर्वेद के साथ जोड़ा जा रहा यह एक अभिनव पहल हैं इससे संस्कृत के छात्रों क्रो ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। आयुर्वेद गुरुकुलम का अर्थ है एक स्वायत्त आवासीय आयुर्वेद संस्थान या कॉलेज, जिसमें एक शिक्षण अस्पताल भी शामिल है।

गोविंददेवजी मंदिर में भजन संध्या आज

जयपुर । जयपुर समारोह 2024 के तहत हैरिटेज निगम की ओर से विशाल श्याम भजन संध्या का आयोजन मंगलवार शाम 6 बजे गोविंद देव जी मंदिर में आयोजित होगी।

जयपुर समारोह के नोडल अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि हैरिटेज नगर निगम की ओर से जयपुर शहर के स्थापना के अवसर पर 18 अक्टूबर से एक महीने तक लगातार आयोजन किए जा रहे है। मंगलवार को जौहरी बाजार व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गोविंद देवजी मंदिर के सत्संग हॉल में विशाल श्याम भजन संध्या आयोजित की जाएगी। जिसमें विभिन्न भजन गायक मधुर स्वरों में श्याम बाबा का गुणगान करेंगे। कार्यक्रम में महापौर कुसुम यादव, आयुक्त अरुण कुमार हसीजा सहित पार्षद और निगम अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

भाजपा की डबल इंजन सरकार रामगढ़ में विकास के नए आयाम करेगी स्थापित : मदन राठौड़

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने रामगढ़ में कार्यकर्ताओं से संवाद किया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सोमवार को अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह के समर्थन में प्रचार-प्रसार किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि रामगढ़ की जनता भाजपा के प्रत्याशी सुखवंत सिंह के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और क्षेत्र के विकास के लिए सुखवंत सिंह को जीताकर विधानसभा भेजेगी। भाजपा की डबल इंजन सरकार रामगढ़ में विकास के लिए नए आयाम स्थापित करेगी।

मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने जन समर्थन और जन अपेक्षाओं के अनुरूप प्रत्याशी मैदान में उतारकर मतदान से पूर्व आधा चुनाव अपने पक्ष में कर लिया। भाजपा में पन्ना प्रमुख, बूथ समिति, मंडल और शक्ति केंद्रों के साथ जिला और प्रदेश स्तरीय संगठन के कार्यकर्ता मिलकर प्रत्याशी के समर्थन में जुटे हुए है। वहीं क्षेत्र के विकास के लिए आमजन भी केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार के साथ जुड़ना चाहते हैं। इस आधार पर भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह को उपचुनावों में जनता का अपार स्नेह और प्यार मिलेगा। भाजपा कार्यकर्ता ही नहीं, रामगढ की जनता स्वयं को सुखवंत मानकर चुनाव लड़ रही है, ऐसे में रामगढ़ में कमल खिलना तय हो गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा में संगठन, अनुशासन और राष्ट्र सर्वोपरि की धारणा पर कार्यकर्ता कार्य करता है। इसी लिए आम कार्यकर्ता को भाजपा आगे बढ़ाने का कार्य करती है। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में जन समर्थन प्राप्त प्रत्याशी को उपचुनावों में उतार कर भाजपा ने जनता के जनाधार का सम्मान किया है। रामगढ़ से भाजपा बहुमत के साथ चुनाव जीतेगी। राठौड़ ने कहा कि एक ओर भाजपा है जहां आमजन जन इस पार्टी के साथ जुड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जिसके साथ जुड़ना तो दूर लोग अलग हो रहे है। कांग्रेस के मूल कार्यकर्ता उसकी गलत नीतियों से दूर जा रहे है। एक आदमी भी उनसे जुड़ना नहीं चाहता है। अब प्रदेश की जनता जागरूक हो गई है और कांग्रेस के बहकावे में आने वाली नहीं है। प्रदेश के सभी सातों उपचुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज कराएगी।

प्रदेश के 3.25 लाख दुग्ध उत्पादकों को 183 करोड़ रु. का अनुदान जारी

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के तहत भजनलाल सरकार ने 5 रुपये प्रति लीटर की दर से दी है अनुदान राशि

- दिवाली पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह अनुदान राशि जारी करवाकर किसानों को दिया तोहफा

जयपुर (कासं)। राज्यभर की सहकारी डेयरियों से जुड़े दुग्ध उत्पादकों को दीपावली के अवसर पर मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत 5 रुपये प्रति लीटर की दर से अनुदान राशि मिलने से खुशी की लहर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर दीपावली से ठीक पहले दुग्ध उत्पादकों को 183.22 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इससे राज्यभर में 3.25 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक लाभान्वित हुए हैं। इतना ही नहीं, फैडरेशन से सम्बद्ध अलग-अलग जिला दुग्ध संघों की दुग्ध समितियों द्वारा राज्यभर के दुग्ध उत्पादकों को दीपावली से पूर्व 20 करोड़ रुपये से अधिक का लाभांश अलग से वितरित किया गया है।

यह जानकारी देते हुऐ राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन के प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत 600 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया था। दीपावली से पूर्व राज्य सरकार से राशि प्राप्त होने पर आरसीडीएफ द्वारा डीबीटी के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को 183.22 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। राज्यभर के दुग्ध उत्पादकों में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत अनुदान और लाभांश वितरण से खुशी की लहर है। भारद्वाज ने बताया कि राजस्थान राज्य की सहकारी डेयरियों में दुग्ध संकलन में लगातार हो रही बढ़ोतरी में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादकों को मिलने वाले अनुदान का बहुत बड़ा योगदान है। राजस्थान राज्य के सभी दुग्ध उत्पादकों को आश्वस्त किया है कि दुग्ध उत्पादकों की सामाजिक एवं आर्थिक समृद्धि के लिये आरसीडीएफ कृत संकल्प है।

कांग्रेस ने युवाओं की आँखों में धूल झोंकी थी : मदन दिलावर

- 'भजनलाल सरकार युवाओं के सपने को साकार करेगी'

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि रीट में चीट करने के जिम्मेदारों को हर जगह खोट ही दिखाई देगा। बड़बोले डोटासरा ने आँखों पर पट्टी बाँध रखी है। इसीलिए उन्हें भजनलाल शर्मा की सरकार द्वारा की जा रही भर्तियां और विकास के काम दिखाई नहीं दे रहे।

दिलावर ने कहा कि डोटासरा शायद नहीं चाहते कि महिलाओं को तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल वन में आरक्षण मिले इसीलिए इसमें अड़चनें डालना चाह रहे हैं।

पहली बार सरकार आगे खाली होने जा रहे पदों की भी गणना कर भर्तियां करने जा रही है। कांग्रेस राज में जो भर्तियां अटकी थी उनको भी हमने पूरा किया है।

कांग्रेस ने युवाओं की आँखों में धूल झोंकी थी जिसका परिणाम ये हुआ कि या तो भर्तियां न्यायालय में रुक गई या पेपर लीक के कारण रद्द की गई।

मदन दिलावर ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो वादा किया है चाहे वह भर्तियों से संबंधित हो या महिलाओं के आरक्षण से संबंधित हो हम उसे पूरा करेंगे।

दीपावली पर सूने मकानों से जेवर और नकदी चोरी

जयपुर। दीपावली पर चोर 4 सूने मकानों को निशाना बनाकर जेवरात और लाखों रुपए की नकदी ले गए। दोनों परिवार के बाहर जाने का फायदा उठाकर चोर मेन गेट के लॉक तोड़कर अंदर घुसे थे। घटनाएं भांकरोटा, खोहनागोरियान व करधनी इलाके की है। पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि चौधरी कॉलोनी कमला नेहरु नगर निवासी सुरेश चन्द शर्मा ने भांकरोटा थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह परिवार के साथ अपने दूसरे मकान पर गए हुए थे। पीछे से बदमाशों ने चोरी की नीयत से सूने मकान को निशाना बनाया। मकान का मेन गेट का लॉक तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। अलमारी में रखे लाखों रुपए के गहने व कैश चोरी कर ले गए। अजमेर रोड कमला नेहरु नगर चौधरी कॉलोनी निवासी अमित भारद्वाज ने मामला दर्ज करवाया कि वह दीपावली पर अपने स्थाई मकान पर गया था पीछे से चोर मकान का ताला तोड़कर जेवरात व नकदी ले गए। घटना का पता पीडित को वापस घर लौटने पर लगा। करधनी थाने में हनुमंत नगर गोकुलपुरा निवासी जितेन्द्र सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि वह रविवार को परिवार सहित बाहर गए हुए थे। उनके सूने मकान का लॉक तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। अलमारी के लॉकर में रखे सोने-चांदी के गहने और 16 हजार रुपए चोरी कर ले गए। वापस घर लौटने पर पीड़ितों को चोरी की वारदात होने का पता चला।

चुनाव आयोग की बैठक आयोजित

जयपुर। राजस्थान चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम विषय आधारित बैठक आयोजित की गई। बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसमें भाजपा की ओर से विधि प्रकोष्ठ के संयोजक सौरभ सारस्वत, सह संयोजक अशोक सिंह शेखावत, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत और योगेंद्र सिंह तंवर उपस्थित रहे।

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मतदाता सूचियों के अपडेशन में सहयोग करें : नवीन महाजन

प्रारूप मतदाता सूचियां 9 और 23 नवम्बर को ग्राम सभाओं में पढ़ी जाएंगी

- मतदान केन्द्रों पर बी.एल.ओ. की बैठक 10 और 24 नवम्बर को होगी

जयपुर । राजस्थान में 193 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एस.एस.आर)-2025 अभियान के तहत 29 अक्टूबर को प्रारूप सूचियों का प्रकाशन कर दिया गया है। अब जो नागरिक 1 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर रहे हैं, वे नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, 17 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के ऐसे मतदाता, जो वर्ष 2025 के 1 अप्रैल, 1 जुलाई , 1 अक्टूबर 2025 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर मतदाता होने की पात्रता प्राप्त कर रहे हैं, वे भी वीएचए एप अथवा बीएलएओ अथवा वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से प्रारूप-6 में अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सोमवार को प्रदेश में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ इस विषय पर बैठक में कहा कि एसएसआर अभियान के तहत आयोजित होने वाली विशेष बैठकों में अधिक से अधिक लोगों को हिस्सा लेना चाहिए तथा मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने, हटाने, मतदाताओं के पते, जन्मतिथि, फोटो आदि में संशोधन के कार्य में आवेदन प्रस्तुत कर सूचियों को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 28 नवम्बर है। महाजन ने कहा कि एसएसआर अभियान के तहत आगामी 9 और 23 नवम्बर को प्रारूप मतदाता सूचियों का ग्राम सभाओं, वार्ड अथवा आवासीय वेलफेयर सोसायटी की विशेष बैठकों में पठन और सत्यापन किया जाएगा उन्होंने मतदाता सूचियों में नए नाम जोड़ने और इनके शुद्धिकरण के कार्य में राजनैतिक दलों और आम लोगों से भागीदारी की अपील की है। उन्होंने बताया कि ग्राम अथवा वार्ड सभा की बैठकों के अतिरिक्त मतदान केन्द्रों पर भी 10 और 24 नवम्बर को सम्बंधित बीएलओ राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट और आम लोगों के साथ बैठकों का आयोजन करेंगे, जिनमें सूचियों के पठन और सत्यापन कार्य किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, इन बैठकों के दौरान मतदाता सूचियों पर दावे-आपतियां और संशोधन के लिए आवेदन अथवा सुझाव दिए जा सकेंगे। उन्होंने राजनैतिक दलों से सभी मतदान केन्द्रों के लिए अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियोजित करने और उन्हें इस प्रक्रिया तथा प्रस्तावित बैठकों में भाग लेने के लिए निर्देशित करने का आग्रह किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सोमवार को प्रदेश में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

टोल बूथ पर मारपीट व तोड़फोड़ करने के मामले में पांच गिरफ्तार

एक महीने पहले रघुनाथपुरा टोल बूथ पर बदमाशों ने तोड़फोड़ और मारपीट की थी

सूरजगढ़, (निसं)। करीब एक महीने पहले थाना इलाके की चिड़ावा रोड पर रघुनाथपुरा टोल बूथ पर आधा दर्जन से अधिक गाडियों में सवार होकर आए बदमाशों द्वारा की गई तोड़फोड़ और मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में 10 हजार के इनामी बदमाश समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं शेष के लिए लगातार टीमें दबिशें दे रही है।

एसएचओ सुखदेव सिंह ने बताया कि छह अक्टूबर को टोलकर्मी सीकर निवासी भानूप्रताप राजपूत ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि छह अक्टूबर को ही दोपहर को 12 बजे के करीब स्वामी सेही निवासी जयप्रकाश उर्फ जेपी, प्रीतम, लाखू के पास ढाणी निवासी अजय बन्ना, चिड़ावा निवासी जैकी, अगवाना निवासी नागराज राजपूत, पिचानवासी निवासी राकेश गुर्जर आधा दर्जन से अधिक पिकअप, बोलेरो और कैंपर गाड़ियों में सवार होकर आए, जिन्होंने टोलकर्मियों से मारपीट की, जान से मारने की नियत से गाड़ियां दौड़ाई और तोड़फोड़ की। इस मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। पुलिस को बड़ी सफलता मिली, जिसमें उन्होंने 10 हजार के इनामी फरार बदमाश स्वामी सेही निवासी प्रीतम कुमार उर्फ ढिल्लू पुत्र विनोद कुमार जाट (23) तथा उसके चार साथी बलौदा निवासी दीपेंद्र सिंह उर्फ हुड्डा पुत्र दलीप सिंह राजपूत (20), एसबीआई बैंक के पास चिड़ावा निवासी जय सिंह उर्फ जैकी पुत्र राजेश धानक (26), अगवाना खुर्द निवासी नागेश उर्फ नागराज पुत्र हजारी सिंह राजपूत (26), जैतसीसरिया चूरू हाल अड़ूका निवासी अजय सिंह उर्फ अज्जू बन्ना पुत्र उम्मेद सिंह राजपूत (27) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि शेष आरोपियों की तलाश में टीमें लगी हुई है।

टोल बूथ पर तोड़फोड़ और मारपीट के मामले में पुलिस ने 10 हजार के इनामी बदमाश समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया।

- पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए पांच में से तीन आरोपियों का पूर्व में आपराधिक रिकॉर्ड रहा है

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए पांच में से तीन आरोपियों का पूर्व में आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस जानकारी के अनुसार नागेश उर्फ नागराज के खिलाफ सूरजगढ़ व सिंघाना थाने में आधा दर्जन मामले शराब तस्करी, पोक्सो एक्ट आदि की धाराओं में दर्ज है। वहीं इनामी बदमाश प्रीतम उर्फ ढिल्लू के खिलाफ भी पांच मामले मंड़ेला, सूरजगढ़ व हमीरवास चूरू थाने में मारपीट व हत्या की कोशिश धाराओं में दर्ज है। वहीं दीपेंद्रसिंह उर्फ हुड्डा के खिलाफ भी सूरजगढ़ थाने में हत्या की कोशिश करने का मामला दर्ज है। वारदात के बाद से सूरजगढ़ पुलिस आरोपितों की तलाश में लगातार दबिशें दे रही थी। जिसके बाद कांस्टेबल अमित कुमार के पास आए एक इनपुट से जब एसएचओ सुखदेव सिंह ने चैन जोड़ी तो पांच आरोपियों को धर दबोचा। कार्रवाई करने वाली टीम में हैड कांस्टेबल भीमकौर, कांस्टेबल राजेश, प्रवीण कुमार तथा अमित कुमार शामिल थे।

इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। जिसमें बदमाशों ने आधा दर्जन गाड़ियों में सवार होकर टोल बूथ पर काफी देर तक हंगामा मचाया था। एक बाइक समेत कई शीशे फोड़े। टोल का बैरियर भी तोड़ा और फिल्मी अंदाज में गाड़ियां दौड़ाते हुए टोलकर्मियों पर गाडी चढ़ाने की भी कोशिश की थी। घटना के बाद से ही पुलिस की टीमें आरोपियों की धरपकड़ में लगी हुई थी।

दिव्या मदेरणा ने हनुमान बेनीवाल पर निशाना साधा

मुझे हराने वालों की खींवसर में हालत टाइट : दिव्या

जोधपुर, (कासं)। पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता हनुमान बेनीवाल के खिलाफ उपचुनाव में मोर्चा खोल दिया है। दिव्या मदेरणा ने कहा कि मुझे चुनाव हराने वालों की आज क्या स्थिति है? हालत टाइट हो रखी है। रात को चार-चार बजे लोगों के घर जाकर पांव पकड़ने पड़ रहे हैं। किसान पट्टी ने खींवसर को वोट देने से इनकार कर दिया है। सब कह रहे हैं कि हमारी बेटी को गालियां दी हैं। दिव्या मदेरणा लोहावट क्षेत्र के दौरे पर थी, जहां उन्होंने एक सभा में सांसद हनुमान बेनीवाल पर निशाना साधा।

दिव्या मदेरणा ने नाम लिए बगैर कहा कि खींवसर से आते थे सभा करने के लिए, दिव्या को चुनाव में हरा दूंगा।

- हनुमान बेनीवाल ने इस बार अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को उतारा है

खुद की क्या हालात हुई? सिर्फ 1800-2000 वोटों से जीते थे। अब क्या स्थिति है? दिव्या मदेरणा ने कहा कि मेरे दादाजी और पिताजी ने कभी किसी को हराने की बात नहीं कही। मुझे हराने से नुकसान जनता का ही हुआ है। मुझे चारों तरफ घेरने का काम किया। मैं भी समाज की बेटी हूं। राजनीति में स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं कर सकती।

खींवसर में इस बार तीनों जाट प्रत्याशी :-खींवसर विधानसभा के उपचुनाव में इस बार भाजपा, कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तीनों से ही दिग्गज जाट मैदान में हैं। इससे पहले हमेशा यहां से एक राजपूत उम्मीदवार होता है। कोई पार्टी टिकट नहीं देती तो निर्दलीय राजपूत चुनाव लड़ता रहा है, जिसका सीधा फायदा हनुमान बेनीवाल की पार्टी को मिला है, लेकिन इस बार हालात बदल गए। चुनाव लड़ने वाले सवाई सिंह ने भाजपा ज्वॉइन कर ली। इससे बेनीवाल की परेशानी बढ़ गई है। बेनीवाल ने इस बार अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को उतारा है। भाजपा से रेवंतराम डांगा दोबारा मैदान में तो कांग्रेस ने भी इस बार महिला प्रत्याशी के रूप में रतन चौधरी को उतारा है। इससे उपचुनाव का मुकाबला रोचक हो गया है।

सड़क हादसे में एक की मौत

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के खोजावाला मोड़ के पास एक हरियाणा रोडवेज बस ने बाइक सवार दो लोगों को पीछे से टक्कर मार कर दी जिससे दोनों ही जने गंभीर घायल हो गए। जिन्हें निम्स चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान एक की मौत हो गई।

हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह ने बताया कि छपरा निवासी प्रकाश चंद्र कुमार पुत्र श्रवण लाल और मिट्ठू लाल पुत्र श्रवण लाल स्कूटी से कुंबावास गांव जा रहे थे। इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि बस ओवरटेक करते व तीव्र गति से आगे निकल रही थी। इस दौरान खोजावाला मोड़ के पास बस ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए, जिनको उपचार के लिए निम्स अस्पताल ले जाया गया जहां पर प्रकाश कुम्हार ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

सूने मकान में चोरी

भीलवाड़ा, (निसं)। भीमगंज थाना क्षेत्र की नेहरू विहार कॉलोनी में दीपावली की रात सूने मकान को निशान बनाते हुए अज्ञात चोर ने नकदी और दो गैस सिलेंडर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। कोचिंग सेंटर चलाने वाले संजय सेन के नेहरू विहार स्थित मकान में दीपावली की देर रात नकाबपोश चोर घुस आया और घर से हजारों की नगदी चोरी करने के साथ ही गैस के दो सिलेंडर भी चोरी कर ले गया।

झुंझुनूं सांसद बृजेंद्र ओला का बयान चर्चाओं में

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं उप चुनाव की तारीख ज्यों-ज्यों नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे बयानबाजी का पारा भी बढ़ता जा रहा है। अब एक बार फिर सांसद बृजेंद्र ओला ने अपने भाषण में कहा है कि वे उप चुनावों नहीं लड़ना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें जबरदस्ती टिकट दिया। जैसे लोकसभा चुनावों में दिया था।

झुंझुनूं शहर के मंड़ेला रोड पर वार्ड नंबर 54, 55 व 56 नंबर वार्ड की नुक्कड़ बैठक को संबोधित करते हुए सांसद बृजेंद्र ओला ने कहा कि लोकसभा चुनावों में बड़े बड़े लोग चुनाव लड़ने से कतरा रहे थे। राजस्थान में तो कांग्रेस की टिकट तक वापिस कर दी। फिर भी उन्होंने पार्टी के आदेश पर चुनाव लड़ा और चुनाव जीता। यही हाल विधानसभा उप चुनावों को लेकर था। अपने भाषण में बृजेंद्र ओला ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी को उप चुनाव लड़ने से मना कर दिया था। वहीं नहीं चाहते थे वे उप चुनाव लड़े। उन्होंने पार्टी को यहां तक कहा कि किसी भी अन्य कार्यकर्ता को टिकट दे दो, लेकिन पार्टी ने उन्हें कहा कि दूसरे किसी को भी टिकट दे दी तो जमानत जब्त हो जाएगी। इसलिए हम उप चुनाव के मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि यह आम चुनाव या फिर साधारण चुनाव होता तो विरोधी टिकते ही नहीं। यह उप चुनाव है और सरकार चुनाव लड़ रही है। सांसद बृजेंद्र ओला के इस भाषण को राजनैतिक विश्लेषक अपने अपने हिसाब से ले रहे है। बृजेंद्र ओला का जो भाषण वायरल हो रहा है।

सांसद बृजेंद्र ओला ने झुंझुनूं शहर में नुक्कड़ बैठक को संबोधित किया।

- सांसद बृजेंद्र ओला ने अपने भाषण में कहा है कि वे उप चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें जबरदस्ती टिकट दिया
- पार्टी ने उन्हें कहा कि दूसरे किसी को भी टिकट दे दी तो जमानत जब्त हो जाएगी, इसलिए हम उप चुनाव के मैदान में हैं : ओला

मामले में मदरसा बोर्ड के चेयरमैन व कांग्रेस नेता एमडी चोपदार ने कहा है कि ओला का बयान पार्टी, कार्यकर्ताओं और खासकर मुस्लिम समुदाय का अपमान है। उन्होंने कहा कि ओला तो अपने पुत्र अमित के लिए बार-बार टिकट मांग रहे थे। जयपुर में भी मिटिंगों में जाते थे तो टिकट की घोषणा जल्दी करने की बात करते थे। इसलिए ऐसा बयान देना पार्टी का अपमान है। कांग्रेस इतनी सस्ती भी नहीं है कि जबरदस्ती टिकट दे दें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों के बाद अब विधानसभा उप चुनाव में यह बयान काफी निंदनीय है। उप चुनाव में मुस्लिम बिरादरी टिकट मांग रही थी। ऐसे में यह बयान मुस्लिम बिरादरी के कटे पर नमक छिड़कने जैसा है। कांग्रेस 36 बिरादरी की पार्टी है। ऐसे बयानों के अपने के बाद प्रदेश नेतृत्व व पार्टी आलाकमान को सोचना चाहिए।

'मगराज जैन ने गुणवत्तापूर्ण और नि:स्वार्थ परिवर्तन कार्य किये थे'

जयपुर। सोसायटी टू अपलिफ्ट रूरल इकोनॉमी बाड़मेर की और से सोमवार को श्री सत्य साईं अंध एवं मूक बधिर विद्यालय बाड़मेर में पद्मश्री मगराज जैन की दसवीं पुण्यतिथि पर मूल्य आधारित सामाजिक विकास कार्यों के समक्ष चुनौतियें विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं गांधीवादी विचारक बिनोय आचार्य ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि समाज, बाजार और संस्थायें जब अपने स्वधर्म को पहचानना और उसको अपनाना छोड़ देती है, तब सामाजिक विकास के कार्यों के संकट सामने आने शुरू हो जाते हैं। स्वधर्म के छूटते ही सामाजिक विकास कार्यों में मूल्य एवं सिद्धांत छूटते जाते है जिससे सामाजिक विकास के कार्यों का आधार कमजोर होता जाता है। आचार्य ने कहा कि रेगिस्तान के इलाके में पद्मश्री मगराज जैन ने अस्सी वर्ष पूर्व सामाजिक विकास के कार्यो की यात्रा शुरू की थी उसके मूल में सामाजिक न्याय, गुणवत्तापूर्ण कार्य और नि:स्वार्थ परिवर्तन कार्य और मानवता थी जिसके कारण उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों का वो संसाधनों के अभाव में भी हमेशा मुकाबला करते रहे। जिसके कारण सीमावर्ती क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण, पशुपालन, कृषि, हस्तशिल्प, युवाओं के रोजगार, अकाल राहत कार्य, थारपारकर नस्ल संरक्षण संवर्द्धन एवं शुष्क कृषि, वैकल्पिक चिकित्सा एवं जन संगठन के कार्यों से अनवरत रूप से इलाके में ताज़िन्दगी लगे रहे। उनके कार्य देश के लिए मिसाल बन गए। सामाजिक न्याय के उनके कार्य देश के सामाजिक संगठनों के लोगों को आज भी रास्ता दिखाये हैं।

सोसायटी टू अपलिफ्ट रूरल इकोनॉमी बाड़मेर की और से पद्मश्री मगराज जैन की पुण्यतिथि पर व्याख्यान आयोजित हुआ।

- पद्मश्री मगराज जैन की पुण्यतिथि पर व्याख्यान का आयोजन

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था की संयुक्त सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक लता कच्छवाहा ने पद्मश्री मगराज जैन स्मृति समारोह एवं व्याख्यान माला की जानकारी दी। संस्था के सदस्य एवं पूर्व प्रशासनिक अधिकारी छगनलाल गोयल ने पद्मश्री मगराज जैन के कार्यों को महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यों से जोड़ते हुए उन्हें सत्य और नैतिकता के राह पर चलने वाला राही बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षाविद डॉ. बी.डी. तातेड़ ने कहा कि पद्मश्री जैन ने तीन पीढ़ियों के साथ एक साथ काम किया है। जो उनके मूल्यों और दूरदृष्टि को बताता है कि कैसे हर वर्ग को जोड़कर सामूहिकता के साथ विकास और बदलाव की मुहीम को तेज़ किया जा सकता है। पद्मश्री जैन का कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए शोध का विषय रहेगा। बिनोय आचार्य को पद्मश्री मगराज जैन सम्मान 2024 से आन्नदराज जैन संस्था सचिव द्वारा नवाजा गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष नरेंद्र तनसुखानी ने सभी का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम में संस्था सचिव आनंद राज जैन ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश पचोरी द्वारा किया गया। पद्मश्री जैन की स्मृति में विद्यालय परिसर में अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

युवाओं के साथ किसी प्रकार की नाइंसाफी बर्दाश्त नहीं होगी : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने देवली-उनियारा वि.स. प्रत्याशी राजेंद्र गुर्जर के समर्थन में चुनावी सभा की

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का टोंक भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

टोंक, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को टोंक में देवली-उनियारा क्षेत्र में उपचुनाव को लेकर दौरा किया। इस दौरान टोंक भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

देवली-उनियारा विधानसभा प्रत्याशी राजेंद्र गुर्जर के समर्थन में दूनी मे चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पांच साल में राज्य की सड़कें टूटी हुई थी, राज्य की आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब बन गई थी तथा उनके राज में महिलायें सुरक्षित नहीं थी, पेपर लीक जैसी घटनायें उत्पन्न हो गई थी। जब से हमारी सरकार आई है तब से पेपर लीक करने वालो का गिरफ्तार किया तथा आगे भी युवाओं के साथ किसी प्रकार की नाइंसाफी बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने टोंक में देवली-उनियारा क्षैत्र में उपचुनाव को लेकर दौरा किया
- कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने भाजपा का हाथ थामा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सभी कांग्रेस से आये नेताओं को दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया तथा भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई

इस दौरान कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने भाजपा का हाथ थामा। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सभी कांग्रेस से आये नेताओं को दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया तथा भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाकर उन्हें बधाई दी।

मारपीट व नाक काटने की वारदात का खुलासा, तीन गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के देचू थाना पुलिस ने नाक काटने की सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी महिला का पूर्व पति है।

जानकारी के अनुसार 22 अक्टूबर को भगवती जाट निवासी नायसरा कलाऊ ने रिपोर्ट पेश की थी। इसमें उसने बताया था कि वह और उनके पति उम राम अपने गांव कलाऊ से चांदन ट्यूबवेल पर जा रहे थे। रास्ते में कार से तीन-चार व्यक्ति आए और उनकी बाइक को रुकवाकर उनके पति को बाइक से नीचे उतरकर उनके नाक और होंठ काटकर साथ ले गए। मामला दर्ज करने के बाद थानाधिकारी हनुवंत सिंह के नेतृत्व में टीम ने मामले की छानबीन शुरू की। आसपास की जगह और रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस ने मामले में तिलोक राम पुत्र भीखाराम जाट निवासी सांवल नगर आमला थाना फलोदी, गिरधारी जाट निवासी रामदेव नगर और भगवान राम जाट निवासी रुपाणा पुलिस थाना फलोदी को गिरफ्तार किया।

'नए मेला मैदान में निःशुल्क भूमि उपलब्ध होगी'

अजमेर, (कासं)। श्री पुष्कर पशु मेला-2024 के दौरान पशुपालकों के लिए सरकार द्वारा नए मेला मैदान में नि:शुल्क भूमि उपलब्ध करवाई जा रही है। अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि पशुपालकों के लिए पशुपालन विभाग द्वारा व्यवस्थाएं की जा रही है।

कॉस्मेटिक की दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग से लाखों का नुकसान

समय रहते मकान में मौजूद लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया, जनहानि टली

कोटा, (निसं)। छावनी इलाके के रामचंद्रपुरा में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक ब्यूटी कॉस्मेटिक की दुकान में भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों ने दुकान में लगी आग की सूचना निगम की अग्निशमन विभाग को दी। आग की सूचना पाकर अग्निशमन विभाग की चार दमकलें मौके पर पहुंची और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

जानकारी के अनुसार दुकान में लगी आग से करीब तीन लाख रुपए नगद और लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। प्रथम दृष्ट्या से आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सोमवार सुबह 8.30 बजे करीब छावनी रामचंद्रपुरा में स्थित श्रृंगार ब्यूटी कॉस्मेटिक की दुकान के अंदर से धुएं का गुबार लोगों को उठता दिखाई दिया। इसके बाद लोगों को पता चला कि दुकान में आग लग गई है। स्थानीय लोगों की मदद से दुकान के शटर का ताला तोड़ा गया और आग की सूचना पुलिस व अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना पाते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की दमकल मौके पर पहुंची।

अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि छावनी इलाके के रामचंद्रपुरा में जैन मंदिर के समीप एक दुकान में आग लगने की सूचना मिली सूचना मिलते ही चार दमकलें मौके पर भेज दी गई अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि रामचंद्रपुरा में इकबाल भाई की दुकान और मकान है, मकान के ग्राउंड फ्लोर पर श्रृंगार ब्यूटी कॉस्मेटिक की दुकान है, जिसमें आग लगी है। समय रहते मकान में मौजूद लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया करीब पांच दमकलें की मदद से आग पर काबू पाया गया। आग की चपेट में आने से दुकान में रखी एक बाइक भी जलकर खाक हो गई। राकेश व्यास से बताया कि प्रथमदृष्ट्या से आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है। करीब 3 लाख रुपए नगद और लाखों का सामान आग की चपेट में आने से नुकसान हुआ है।

- आग की सूचना पर अग्निशमन विभाग की चार दमकलें मौके पर पहुंची और काबू पाया
- करीब 3 लाख नगद और लाखों का सामान आग की चपेट में आया

आगजनी से लाखों का सामना जला

धोरीमन्ना/जालोर, (निसं)। धोरीमन्ना बाजार में रविवार रात्रि करीबन एक बजे के आसपास भीषण अग्निकांड हो गया। आग से लाखों रुपये का सामान जल गया।

जानकारी के अनुसार शिवम सैनिटरी एंड हार्डवेयर सोहनलाल पुत्र जलाराम भादू दस साल से बाडमेर रोड नया बाजार के पास अपना व्यापार करते थे। सोहनलाल ने बताया कि दस सालों से में व्यापार का काम करता हूं और मेरी दुकान में करोडों रुपए का सामान जलकर राख हो गया।धोरीमन्ना मुख्य चौराहे के पास अग्निकांड हुआ। पंचायत समिति के सामने केबिनों, बैंक ऑफ बडौदा के एटीएम में आग लगी। वहीं पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में आग लगने के साथ हर वर्ष में दीपावली के समय में करीबन सात बार अग्निकांड हो चुका है।

आग पर काबू पाने में पुलिस थानाधिकारी बगड़ूराम विश्नोई, मुंशी रगाराम, कांस्टेबल जगदीश खोथ, ड्राइवर रेखाराम का सहयोग रहा। धोरीमन्ना के व्यापारियों ने बताया कि धोरीमन्ना एक व्यापार का बड़ा हब है। जैसलमेर से अहमदाबाद जोधपुर से चौहटन एवं बाखासर यातायात के केंद्र है। वहीं सरकार द्वारा नव निर्वाचित नगर पालिका हाल ही में घोषित किया है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं से अभी तक वंचित हैं।

मैं उनके पहले टेस्ट को देखूं तो उन्होंने कुछ बेहतरीन कैच पकड़े थे। इससे माहौल तैयार हो गया। अगर आप इस तरह के कैच लेते हैं और आप बढ़त हासिल करते हैं। सीरीज में 1-0 से आगे रहते हैं तो ये बड़ी बात है। **-डेविड वार्नर**

आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, न्यूजीलैण्ड की जीत पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वसीम अकरम

अगर पाकिस्तान टीम स्पिन ट्रैक पर भारत के खिलाफ खेलती है तो वह जीत सकती है। ये बात उन्होंने ऑस्ट्रेलिया वर्सेस पाकिस्तान पहले वनडे के दौरान कमेंट्री करते हुए कही।भारत की हार पर चर्चा करते हुए कहा कि, मैं भारत और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज देखना चाहता हूं। ये बहुत बड़ी सीरीज होगी। ये खेल के लिए, क्रिकेट के दीवाने दो देशशों के लिए अच्छा होगा। वॉन ने आगे कहा कि पाकिस्तान भारत को टर्निंग ट्रैक पर हरा सकता है।, पाकिस्तान के पास अब स्पिनिंग ट्रैक पर भारत को टेस्ट में हराने का मौका है।

क्या आप जानते हैं ?... ढाका में बांग्लादेश के विरूद्ध भारत के सचिन तेंदुलकर ने अपना 34वां टैस्ट शतक लगा सुनील गावस्कर के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की।

शाह के बाद कौन होगा का नया सचिव?

नयी दिल्ली 04 नवंबर। जय शाह आईसीसी के चेयरमैन बन चुके हैं जिसके बाद वो 1 दिसंबर से अपना कार्यकाल संभालेंगे। अब तक जय शाह बीसीसीआई के सचिव के रूप में काम कर रहे हैं, लेकिन अब उनकी जिम्मेदारी बदल जाएगी। वहीं अब सवाल ये उठ रहा है कि उनके बाद बीसीसीआई का सचिव कौन होगा? एक रिपोर्ट के सामने आने से कहा जा रहा है कि, जय शाह के बाद बीसीसीआई सचिव बनाने की जिम्मेदारी दिवंगत नेता अरुण जेटली के बेटे अरुण जेटली को ये जिम्मेदारी मिल सकती है। दिल्ली एंव जिला क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट रोहन जेटली को जय शाह के बाद बीसीसीआई का सचिव बनाया जा सकता है। रोहन जेटली के अलावा गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिल पटेल का नाम भी सामने आ रहा है। हालांकि, रोहन जेटली इस रेस में पहले नंबर पर चल रहे हैं। रोहन जेटली इन दिनों दिल्ली एंव जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले भी रोहन जेटली के बीसीसीआई सचिव बनने की रिपोर्ट्स सामने आई थीं, जिसे उन्होंने पूरी तरह से खारिज कर दिया था। हालांकि, अभी इस मसले पर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जय शाह के रिप्लेसमेंट को लेकर बोर्ड में किसी भी तरह की विशेष आम बैठक नहीं होगी। इससे पहले 29 सितंबर को हुई वार्षिक आम बैठक में भी जय शाह के रिप्लेसमेंट का एजेंडा शामिल नहीं था।

ऋद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफी के बाद लेंगे संन्यास

नई दिल्ली 04 नवंबर। भारत के लिए 40 टेस्ट खेल चुके बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा इस वर्ष रणजी ट्रॉफी के बाद संन्यास ले लेंगे। साहा ने एक सोशल मीडिया मंच पर यह जानकारी देते हुए लिखा, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह मेरा आखिरी सीजन होगा। संन्यास लेने से पहले रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए बंगाल का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाकर मैं गौरवान्वित हूँ। आइए इस सीजन को यादगार बनाएँ। साहा इस समय बेंगलुरु में हैं और कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी चौथे राउंड के मैच की तैयारी कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि संन्यास के बाद वह कोचिंग में जा सकते हैं। 2014 में एमएस धोनी के संन्यास लेने के बाद साहा भारत के नियमित टेस्ट विकेटकीपर बने और दिसंबर 2021 में भारत के लिए आखिरी बार कोई टेस्ट मैच खेला। हालांकि ऋषभ पंत के ठीक होने के बाद भारतीय टीम उनसे आगे बढ़ गई।साहा के मेंटोरशिप में युवा अभिषेक पोरेल बंगाल के तीनों प्रारूपों के नियमित विकेटकीपर बनकर उभरे हैं और फिलहाल वह इंडिया ए की योजनाओं का भी हिस्सा हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए रिटेन भी किया है।

मोहम्मद शमी रणजी के 2 राउंड से बाहर हुए

नई दिल्ली, 04 नवम्बर। टीम इंडिया से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी को एक्शन में देखने के लिए फैंस को अभी और इंतजार करना होगा। शमी जो रणजी ट्रॉफी में नजर आने वाले थे वह अगले दो राउंड के मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बंगाल के लिए खेलने वाले ये तेज गेंदबाज के लिए बड़ा झटका है। 34 साल के शमी ने अपना पिछला मैच वनडे वर्ल्ड कप में खेला गया था। अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मैच के बाद से मैदान पर नजर नहीं आए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए चुना नहीं गया था।

टीम इंडिया की हार के बाद बीसीसीआई एक्शन के मूड में

मुश्किल में फंस सकते हैं गौतम गंभीर

नई दिल्ली 04 नवंबर। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-3 से शर्मनाक हार झेलनी पडी। भारतीय टीम को पहली बार अपने घर पर तीन या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। 24 साल बाद टीम इंडिया का अपने घर पर टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ हुआ। इससे पहले उसे साउथ अफ्रीका ने साल 2000 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ कर दिया था। आने वाले समय में टीम सेलेक्शन से जुड़े मुद्दों पर उनकी बातों को तवज्जो मिलना मुश्किल दिख रहा है। गंभीर के कमान संभालने के ठीक बाद भारत ने

27 साल में पहली बार श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाई। फिर न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया। वहीं अब टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर अच्छी स्पिन गेंदबाजी के सामने बार-बार विफल रहा है।

गौतम गंभीर को वह सुविधा दी गई, जो रवि शास्त्री और राहुल द्रविड को नहीं थी। बीसीसीआई के रूल बुक के मुताबिक हेड कोच को चयन समिति की बैठक का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं होती है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए गंभीर की खातिर इस नियम को ताक पर रखा गया। बीसीसीआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि, दौरे की गंभीरता को देखते हुए हेड कोच को इसमें शामिल होने की अनुमति दी गई थी।

हैदराबाद व उत्तराखंड के विरूद्ध रणजी मैच हेतु राजस्थान रणजी टीम घोषित

मेघालय के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम घोषित

जयपुर 4 नवम्बर। बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग ले रही राजस्थान सीनियर रणजी ट्रॉफी , अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम के आगामी मैचों हेतु राजस्थान सीनियर चयन समिति ने हैदराबाद व उत्तराखण्ड के विरुद रणजी मैच हेतु राजस्थान रणजी टीम व मिजोरम के विरूद मैच हेतु राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी का चयन किया।

राजस्थान सीनियर रणजी ट्रॉफी टीम में दीपक हुड्डा (कप्तान), दीपक चाहर (उपकप्तान), महिपाल लोमरोर, भारत शर्मा , अभिजीत तोमर, राम मोहन चौहान, कन्हैया लाल स्वामी, अजय सिंह कुकना, आराफात खान, अनिकेत चौधरी, जुबेर अली, राजेश बिश्नोई (जूनियर), शुभम गढ्वाल, साहिल दीवान, राजकुमार सैनी, राजवीर सिंह शामिल है।

वहीं मिजोरम के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर-23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम में करण लांबा , सुमित गोदारा, राज शर्मा, मुकुल चौधरी, जयंत ताम्बी, मोहित चांगरा, चेतन शर्मा, अशोक शर्मा , दीपेंद्र सिंह, राहुल गर्ग, देव यादव, साहिल भास्कर, हार्दिक गौर, रौनक गौर, पुखराज कुमार शामिल है।

राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम का शिविर कल दिनांक 5 नवम्बर से आरसीए अकादमी पर आयोजित किया जायेगा।

क्या ऑस्ट्रेलिया को आज की टीम इंडिया उन्हीं के घर में हराने लायक है?

नई दिल्ली 04 नवंबर। न्यूजीलैंड से अपने घर में टीम इंडिया के 3-0 से हारने के बाद अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए समीकरण साफ हो गया है। भारत को ऑस्ट्रेलिया में 4 मैच जीतने होंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले जिस ड्रीम जीत की तलाश में रोहित ब्रिगेड थी, वह मुमकिन नहीं हो पाई। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवा दी है। अपने ही घर पर पहली बार तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-3 से क्लीन स्वीप होने के बाद टीम इंडिया के सितारे गर्दिश में हैं। इस हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा सवालों के घेरे में हैं। भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन की बड़ी वजह उसका टॉप ऑर्डर बना। विराट कोहली और रोहित शर्मा के बल्ले से रन नहीं निकले। बाकी बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी औसत रहा, जबकि कई मौकों पर भारतीय गेंदबाजों ने मोर्चा संभाला लेकिन शुरुआती मुकाबलों में उनका प्रदर्शन भी औसत ही रहा। भारत में होम एडवांटेज का लाभ दूसरी टीमों को अधिक मिलता है। टीम इंडिया घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने में एक बार फिर से नाकामयाब रही है। स्पिन की मददगार पिचों को बनवाना खुद के पैर पर ही कुल्हाड़ी मारने जैसा साबित हुआ है। ताजा सीरीज में भी अगर पिच का किसी टीम ने फायदा उठाया है, तो वह न्यूजीलैंड है। हालांकि, पिच और टॉस फैक्टर से परे न्यूजीलैंड ने दमदार प्रदर्शन किया है, इसमें भी कोई संदेह नही है।

यह हार इसलिए भी परेशान करने वाली है, क्योंकि इस सीरीज में भारत ने हर उस पैमाने पर चोट खाई है जो कभी उसकी ताकत हुआ करती थी। स्पिन फ्रेंडली पिच होने के बावजूद भारतीय स्पिनरों ने संघर्ष किया जबकि उसी पिच पर कीवी स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खूब नचाया। हाल यह था कि स्पिन के खिलाफ अपनी आक्रामक शैली के लिए मशहूर विराट कोहली भी सरेंडर करते नजर आए।

ऑस्ट्रेलिया में जीत, सपने जैसा : न्यूजीलैंड के खिलाफ ये हार दिल तोड़ने वाली तो रही ही, साथ ही बेहद शर्मनाक भी है। भारतीय शेर मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 147 रनों के लक्ष्य का भी पीछा नहीं कर पाए और ये हाल तब है जब उन्हें आने वाले कुछ दिनों में ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना उनके घर पर करना है। जिस फॉर्म में इन दिनों टीम इंडिया है, उस हाल में खतरनाक ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ जीत की उम्मीद करना सपने देखने जैसा है।

चार साल तक पानी पिलाने के बाद मौके का पूरा फायदा उठाया विल यंग ने

मुंबई, 04 नवंबर। केन विलियमसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी की जगह भरना आसान नहीं होता लेकिन न्यूजीलैंड की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विल यंग ने चार साल तक रिजर्व बल्लेबाज के रूप में मैदान पर पानी पहुंचाने के बाद मिले इस मौके को अपनी खुद की पहचान बनाने के अवसर के रूप में देखा जिसमें वह सफल रहे।

विलियमसन चोटिल होने के कारण तीनों टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए जिससे यंग को अंतिम एकादश में जगह बनाने का मौका मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज ने बेंगलुरु में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 48 रन बनाकर संकेत दे दिया था कि वह खुद को साबित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यंग ने न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक जीत के बाद पत्रकारों से कहा,"चार साल पहले पदार्पण करने के बाद मैं टीम से अंदर बाहर होता रहा। मैं वर्षों तक रिजर्व बल्लेबाज रहा इसलिए मैं मैदान पर पानी पहुंचाने की भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी की भावना को अच्छी तरह से समझता हूं।' ' उन्होंने कहा,"जब मुझे मौका मिला तो मैं अपनी तरह से खेलने को लेकर अधिक उत्साहित था तथा मैंने

केन की जगह लेने का प्रयास नहीं किया। मैंने अपना नैसर्गिक खेल खेला। मैंने इसे केन की जगह लेने के बजाय खुद के लिए बड़े मौके के रूप में देखा।"

उन्होंने कहा कि भारत दौरे से पहले स्वदेश में अभ्यास सत्रों के दौरान विलियमसन ने खिलाड़ियों को भारतीय उपमहाद्वीप में खेलने को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी जिसका टीम को फायदा मिला। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य से केन चोटिल होने के कारण टीम के साथ यहां नहीं आ पाया। वह बहुत अच्छा इंसान है जिससे आप पूछ सकते हैं कि मैच की इन परिस्थितियों के बारे में वह क्या सोचते हैं। हमने यहां आने से पहले तीन अभ्यास शिविर में भाग लिया था और वह इनमें मौजूद था।" यंग ने तीन टेस्ट मैच में 244 रन बनाए। उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच में 71 और 51 रन की दो शानदार पारियां खेली जिससे न्यूजीलैंड श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

पैट कमिंस के सहारे ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को दो विकेट से हराया

मेलबर्न 04 नवंबर। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद जॉश इंग्लिस (49), स्टीव स्मिथ (44) और कप्तान पैट कमिंस (नाबाद 32) के सहारे ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में पाकिस्तान को 99 गेंदें शेष रहते दो विकेट से हरा दिया हैं।

204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में मैथ्यू शॉर्ट (एक) का विकेट गवां दिया। 28 के स्कोर पर दूसरे विकेट के रूप में जेक फ्रेजर मक्गर्क (16) रन बनाकर नसीम शाह का शिकार बने। इसके बाद स्टीव स्मिथ और जॉश इंग्लिस ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ रन बटोरे। स्मिथ और इंग्लिस के बीच तीसरे विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी हुई। 17वें ओवर में हारिस रउफ ने स्टीव स्मिथ (44) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 20वें ओवर में शाहीन शाह अफरीदी ने जॉश इंग्लिस को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को चौथा झटका दिया। जॉश इंग्लिस ने 42 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (49) रनों की पारी खेली। मार्नस लाबुशेन (16), ऐरन हार्डी (10), ग्लेन मैक्सवेल (शून्य) और शॉन ऐबट (13) रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया के विकेट गिरते रहे लेकिन उसने रनों की रफ्तार कम नहीं होने दी। बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान पैट कमिंस एक छोर थामे रहे और उन्होंने टीम को जीत दिलाकर ही दम लिया। कमिंस ने 31 गेंदों में चार चौकों की

मदद से (नाबाद 32) रनों की पारी खेली। मिचेल स्टार्क (दो) रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 33.3 ओवर में आठ विकेट पर 204 रन बनाकर दो विकेट से मुकाबला जीत लिया।

पाकिस्तान की ओर हारिस रउफ ने तीन विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी को दो विकेट मिले। मोहम्मद हसनैन और नसीम शाह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले मिचेल स्टार्क (तीन विकेट) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 203 के स्कोर पर समेट दिया था।

टेबल टेनिस टूर्नामेंट: हरमीत देसाई ने जीता पुरुष एकल का खिताब

कराकास (वेनेजुएला) 04 नवंबर। भारत के हरमीत देसाई ने डब्ल्यूटीटी फीडर कारकास 2024 टेबल टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल खिताब भी जीता। इससे पहले देसाई ने और कृत्विका रॉय के साथ मिलकर मिश्रित युगल का भी खिताब जीता था। रविवार को खेले गये मुकाबले में हरमीत देसाई ने फाइनल में फ्रांस के जो सेफ्राइड को 3-0 (11-7, 11-8, 11-6) से हराकर पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया।

पहले दौर में बाई पाने वाले देसाई ने दूसरे दौर में वेनेजुएला के जीसस एलेजांद्रो टोवर गिराल्डो को हराया और फिर प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के ली एनसी को शिकस्त दी। उन्होंने क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में क्रमश: चीन के निंग जियानकुन और पुर्तगाल

के जोआओ मोंटेरो पर 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले दिन में देसाई और रॉय ने क्यूबा के जॉर्ज कैंपोस और डेनिएला फोंसेका कैराजाना को एक करीबी मुकाबले में 3-2 (8-11, 11-9, 11-8, 9-11, 11-5) से हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता था।

महिला क्रिकेट के लिए आईसीसी ने कर दिया बड़ा ऐलान, 4 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी का होगा आयोजन

नयी दिल्ली 04 नवंबर। इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी ने 2025-2029 तक के लिए महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए एक शेड्यूल जारी किया है। जिसे फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम नाम दिया गया है। ये पहल आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा होगी, जिसके तहत अगले 4 साल के भीतर महिला क्रिकेटरों के बीच 44 एकदिवसीय सीरीज खेलनी जाएंगी। लेकिन इस पहल की सबसे दिलचस्प बात ये है कि 2025-2029 तक प्रत्येक साल महिला क्रिकेटरों के लिए एक आईसीसी टूर्नामेंट करवाया जाएगा।ये प्रोग्राम 2029 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप को नजर में रखते हुए सेट किया गया है। इमें 11 टीम भाग लेंगी। जिम्बाब्वे इस टूर्नामेंट में डेब्यू कर रहा होगा। जो महिला क्रिकेट की वैश्विक स्तर पर वृद्धि में योगदान देगा। अगले चार साल के भीतर हर टीम अपने

घर पर चार और विदेशी सरजमीं पर भी चार वनडे सीरीज खेलेगी। इस तरह कुल 44 सीरीज खेली जाएंगी। प्रत्येक सीरीज 3 मैचों की होगी, यानी सभी टीमों के बीच कुल 132 मुकाबले खेले जाएंगे।

अगले चार साल के भीतर महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा से ज्यादा मैच खेले जा सकें। बताते चलें कि ये प्रोग्राम 2025 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप के बाद शुरू होगा। 2025-2029 तक महिला क्रिकेट टीमों के बीच 400 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे।

2025 में महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप होगा जिसकी मेजबानी भारत करने वाला है। 2026 में महिला टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा। अब तक सिर्फ पुरुष क्रिकेट में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होता आया था, लेकिन 2027 में पहली बार महिला क्रिकेट टीमों के बीच भी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की रेस लगेगी। वहीं 2028 में फिर से टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा। जिसे अब तक ऑस्ट्रेलिया 6 बार जीत चुका है।

अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता, राजस्थान की देशना जैन का धमाका

जयपुर, 4 नवंबर। राजस्थान की देशना जैन ने क्वालिफाईन्ड राउन्ड में कर्नाटक की गौरी सतीश को सीधे गेमों में हराकर सोमवार से शुरू हुई अन्डर-15 व अन्डर-17 बैडमिन्टन प्रतियोगिता में उलटफेयर किया। गौरी सतीश को क्वालिफाईंग राउण्ड के लिये 14वीं वरीयता मिली थी। देशना जैन ने 15-12, 15-13 से जीत हासिल की। यहां सवाई मानसिंह इण्डोर स्टेडियम में चल रही प्रतियोगिता में राजस्थान के 38 खिलाड़ियों ने क्वालिफाइंग राउण्ड के दुसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

अन्डर-15 लड़कों के वर्ग में राजस्थान के रमनीक सिंह गिल ने दिल्ली के अक्षित प्रताप सिंह रावत को 15-9, 15-7 से, हर्ष कन्डपाल ने गुजरात के तीर्थ चन्द्रा को 15-6, 15-13 से पराजित किया। इसी आयु वर्ग में राजस्थान के लोकेश गुर्जर को दिल्ली के शौर्य सिंह यादव के खिलाफ वॉक ऑवर मिला। एक अन्य मुकाबले में राजस्थान के वयम लाम्बा ने कर्नाटक के देवयश लाल के खिलाफ पहला गेम 15-4 से जीता। देवयश लाल ने दुसरा गेम 12-6 से पिछड़ने के बाद मुकाबले छोड़ दिया। राजस्थान के नेतिक यादव ने आन्ध्र प्रदेश के ईश्वर प्रणव साई को 15-10, 15-10 से शिकस्त दी। राजस्थान पुन्या वलीरामानी को शौर्य मेहता के खिलाफ वॉक ओवर मिला।

राजस्थान के हर्ष स्वामी ने उत्तर प्रदेश के ओजस दीप सिंह को 15-4, 15-3 से, श्रीयांश चौधरी ने प्रभु ध्यानी को 15-13, 17-15 से शिकस्त दी। इसी आयु वर्ग की लड़कियों के वर्ग में सोनाक्षी चौहान को असम गीत इतबराह से तथा लड़को के वर्ग में दक्ष भारद्वाज को महाराष्ट्र के रोहन से वॉक ओवर मिला। आरूष सिंघल ने हरियाणा के विशाल प्रशान्त चौधरी को 15-19, 15-8 से, मानस परवाल ने तमिलनाडु अशज ए मुहम्मद को 12-6, 15-2 से शिकस्त दी, लड़कियों के वर्ग में रक्षन्धना बिष्ट ने दिल्ली मेघना को 15-10, 11-15, 15-13 से, जोशिका प्रजापति ने दिल्ली की नव्या रावत को. 15-7, 14-16, 15-11 से पराजित किया। लड़कों के वर्ग में हर्षवर्धन मान्झु ने हरियाणा के रौनक भारद्वाज को 15-9, 15-8 से, पार्थ माहिया ने हरियाणा के आदर्श को 15-10, 13-15, 15-9 से, तपेश्वर पुनिया ने हरियाणा के नवनीत यादव को 15-11, 15-6 से, रूद्राक्ष मिड्ढा ने दिल्ली के नवराज को 15-13, 15-11 से, कान्हा गुर्जर ने वेदान्त जोशी को 7-15, 15-8, 15-8 से, मानस गहलोत ने राजस्थान के ही कनिष्क को 15-3, 15-4 से, आर्यन सिरवी ने वंश शुद को 15-12, 15-9 से, उत्कर्ष सिंह राठौड ने दिल्ली के याहव यादव को 15-7, 15-12 से शिकस्त दी।

लड़कियों के अन्डर-17 आयु वर्ग में राजस्थान की अदविता शर्मा ने आन्ध्र प्रदेश की सुहान को 15-13, 15-6 से तथा लड़कों के वर्ग में रोहित चौधरी ने गर्वित भट्ट को 15-10, 15-7 से, वेदान्त जोशी ने जोशुआ आनन्द को 15-3, 15-6 से शिकस्त दी। मंगलवार को 500 मुकाबले सुबह 9 बजे से खेले जायेंगे।

जोस बटलर ने राजस्थान रॉयल्स को कहा अलविदा

नयी दिल्ली 04 नवंबर। राजस्थान रॉयल्स ने सलामी बल्लेबाज जोस बटलर को रिटेन नहीं किया है। जिसके बाद बटलर ने रविवार को सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखा। बटलर ने आईपीएल में सालों से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते आ रहे हैं। शायद अब ऐसा लग रहा है कि ऑक्शन में भी हो सकता है टीम उनपर दांव न लगाए। इसी कारण उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए फेयरवेल पोस्ट लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइज़िंग राजस्थान की तैयारियों के लिये उच्च अधिकारियों की बैठक ली व निर्देश दिये।

'राइज़िंग राजस्थान समिट में प्रदेश की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर साख बढ़ेगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि समिट की गतिविधियों से राजस्थान की लोक संस्कृति को जोड़ा जायेगा

- मुख्यमंत्री ने सोमवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमैंट समिट की तैयारियों की समीक्षा की।
- उन्होंने निर्देश दिये कि इस समिट में प्रवासी राजस्थानियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में आमंत्रित करें।

जयपुर, 4 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि "राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट" से प्रदेश की वैश्विक स्तर पर साख बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि समिट के दौरान आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित, अन्य गतिविधियों में राजस्थान की लोक संस्कृति एवं लोक कला से संबंधित थीम को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जाए, जिससे इस ग्लोबल समिट में भाग लेने वाले देश-विदेश के निवेशकों को भी राजस्थान की समृद्ध एवं लुभावनी लोक संस्कृति की झलक देखने को मिले।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली इस समिट की तैयारियों को अन्तिम रूप देते हुए, समिट का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा ज्यादा से ज्यादा प्रवासी राजस्थानियों को समिट से जोड़ा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस समिट के प्रवासी राजस्थान कॉन्क्लेव में ज्यादा से ज्यादा प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित किया जाए तथा कार्यक्रम की थीम को राजस्थान की संस्कृति से भी जोड़ा जाए और राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयासों से रूबरू करवाया जाए। साथ ही, उन्होंने प्रदर्शनी में एक जिला-एक उत्पाद, राजीविका एवं कंट्री पार्टनर के पवेलियन लगाने के संबंध में जानकारी ली एवं इस संबंध में उचित दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि समिट के दौरान पर्यटन, शिक्षा, वित्त सहित विभिन्न क्षेत्रों एवं विभिन्न देशों के निवेश से संबंधित सेक्टरल एवं कंट्री सैशन्स आयोजित किए जाएंगे। मु. मंत्री ने कहा, इन सैशन्स में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की पैनल वार्ता के लिए उचित समय निर्धारित किया जाए एवं सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने समिट के उद्घाटन सत्र, प्रदर्शनी एवं एम.एस.एम.ई. कॉन्क्लेव के आयोजन की भी समीक्षा की।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, रीको प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह सहित, वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

यूपी, पंजाब व केरल के उपचुनाव अब 20 को

नयी दिल्ली, 04 नवंबर। चुनाव आयोग ने केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में 14 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव 13 की जगह 20 नवंबर को कराने की सोमवार को घोषणा की।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें केरल की पलक्कड़, पंजाब की डेरा बाबानानक, चब्बेवाल (सुरक्षित), गिद्दरबाहा, बरनाला और उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुण्डरकी, गाजियाबाद, खैर (सुरक्षित), करहल, सीसा मऊ, फूलपुर, कटिहारी, मझवां सीट शामिल हैं।

आयोग ने कहा है कि उसने विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के अनुरोध पर यह फैसला किया है।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार,

- राजनीतिक दलों के अनुरोध पर चुनाव आयोग ने तीन राज्यों के 14 उपचुनावों की तारीख बढ़ाई।

इन दलों ने 13 नवंबर को सम्बंधित क्षेत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों की व्यस्तता के आधार पर चुनाव तिथि बदलने का अनुरोध किया था। इन सीटों के उपचुनाव की मतगणना 20 नवंबर को कराई जायेगी और चुनाव प्रक्रिया 25 नवंबर तक संपन्न करा ली जायेगी।

आयोग ने कहा है कि इन सीटों पर चुनाव कार्यक्रम की अन्य तिथियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि आयोग ने 15 अक्टूबर को 15 राज्यों में 48 विधानसभा और दो लोक सभा सीटों के लिये उपचुनाव कराने की घोषणा की थी।

'यह चुनाव विचारधारा का है, भाजपा ने लोगों के साथ विश्वासघात किया'

सचिन पायलट के एक दिन में दौसा सीट पर 17 पब्लिक मीटिंग और कार्यालय उद्घाटन

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दौसा विधानसभा सीट के उपचुनाव में दिनभर सभायें कीं।

दौसा, 4 नवंबर । कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा, यह चुनाव विचारधारा का है, पार्टियों का है, भाजपा ने 10 साल से केन्द्र में लोगों के साथ विश्वासघात किया है, जिसे सभी देख रहे हैं। साल भर से राजस्थान में भी भाजपा की सरकार है, लेकिन इस दौरान जन कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है। इसलिए जनता जवाब मांगेगी, और जनता को जवाब देने का अधिकार मतदान के माध्यम से मिलता है, तो जनता जवाब दे देगी।

सोमवार को कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा के चुनावी कार्यालय के उदघाटन के बाद पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए, पायलट ने कहा कि भाजपा सभी जाति के मंत्रियों को गली-गली में घुमाएगी, लेकिन आप बहकावे में मत आना। भाजपा चाहे कितने ही तंत्र लगा ले, और कितनी ही ताकत लगा ले, और चाहे उसके पूरे संत्री और मंत्री दौसा में डेरा जमाए रहें, लेकिन पूरी सातों विधानसभाओं पर कांग्रेस पार्टी ही चुनाव जीतेगी।

पायलट ने गुर्जर समाज के स्नेह मिलन समारोह में काबीना मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा द्वारा दिये गये बयानों को लेकर कहा, मैं किसी के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी करता ही नहीं हूँ। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि ये चुनाव किसी व्यक्ति का चुनाव नहीं है, ये किसी समाज का चुनाव नहीं है। यह चुनाव दो दलों का है, दो विचारधाराओं का है, और इस चुनाव में काम के इतिहास के दम पर, कि दौसा के लिए किसने क्या किया है, लोग तुलना करेंगे कि किसके राज में ज्यादा काम हुआ। उन्होंने कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में हर वर्ग परेशान है, कानून व्यवस्था बदहाल है। भाजपा पहले गाय का मुद्दा लेकर आई, अब धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए कानून की बात कर रही है। लेकिन राम मंदिर के मुद्दे का क्या हुआ, यह पूरा देश जानता है। ये केवल चुनावी मुद्दे हैं, असल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है। पायलट ने कहा कि दौसा के गांव-गलियों से उनका बहुत पुराना नाता रहा है। दिली रिश्ता है, और यह रिश्ता बहुत मजबूत है।

- उन्होंने कहा, दौसा के लोग तुलना करेंगे कि दौसा के लिये किसने क्या किया। इस सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था बदहाल है।

उन्होंने कहा, यह चुनाव सरकार के 10 महीने के कामकाज की अग्नि परीक्षा है, जनता हिसाब माँगेगी । उन्होंने कहा कि राजस्थान उपचुनाव में जनता सरकार को जवाब देगी। राजस्थान में इस बार कांग्रेस ने किसी दल के साथ गठबंधन नहीं किया है, इस मुद्दे पर पायलट ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मनोबल बहुत ऊँचा है और चुनाव परिणाम हमारे हक में होंगे।

हरियाणा के बाद, झारखंड और महाराष्ट्र के चुनावों पर सचिन पायलट ने कहा, महाराष्ट्र में हम गठबंधन की सरकार बनाने जा रहे हैं, झारखंड में भी परिणाम आशा-अनुरूप होंगे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने आपस में लोगों को लड़ाया है, उस इतिहास का आकलन कर वोट करना है। जातिगत आधार पर समर्थन मांगने वालों को, जाति-धर्म की राजनीति करने वालों को, भाजपा को, सबक सिखाना है। पूरे देश और प्रदेश की निगाहें दौसा के चुनाव पर हैं।

'मेडिकल कॉलेज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किए गए और यह प्रक्रिया भी महज तीन घंटे में पूरी कर ली गई, जिसके चलते याचिकाकर्ता स्ट्रे राउंड में शामिल नहीं हो सके। इस कारण उन्हें सीट आवंटन से वंचित होना पड़ा।

ज्ञातव्य है कि गत 31 अक्टूबर को स्ट्रे राउंड के तहत मेडिकल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए सीट आवंटित की गईं, जबकि राउंड एक से तीन तक काउन्सलिंग में सीट आवंटन के बाद दस्तावेज सत्यापित किए गए। याचिका में आरोप लगाया गया कि तीन घंटे के दस्तावेज सत्यापन में बिना कारण बताए कई छात्रों के दस्तावेज निरस्त कर दिए और कई छात्र दस्तावेज सत्यापन से पहले कॉलेज आवंटित होने का इंतजार ही करते रह गए, जिसके चलते कम रैंक वालों को सीट आवंटित हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन पुलों की मॉनिटरिंग केन्द्रीय सड़क-परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मानकों के अनुसार की जाये। इस मांग का उद्देश्य भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा आलोचना का केन्द्र बने बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा तथा सुदीर्घ आयु सुनिश्चित करना है।

महाराष्ट्र चुनावों के लिए रोचक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी है कि कुछ पार्टियों ने एक ही सीट से दो प्रत्याशियों को नामांकन पत्र दिए हैं और यह भी कि, अपनी पार्टी के टिकट से वंचित रहने के बाद कई बागी प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए हैं।

प्राप्त खबरों के अनुसार, महायुति के लगभग 36 और एन.वी.ए. के 26 प्रत्यासी बागी हो गए हैं।

प्रत्याशियों ने एक दूसरे के खिलाफ नामांकन भरा है तथा कई सीटों पर दोस्ताना मुकाबले की स्थिति पैदा कर दी है। एम.वी.ए. में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यू.बी.टी.) तथा शरद पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एस.पी.) शामिल हैं तथा महायुति में भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना तथा उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. शामिल हैं।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस में 87 दिन बाद आरोप तय

मुख्य आरोपी संजय रॉय ने कहा कि ममता सरकार मुझे फंसा रही है

- 11 नवम्बर से मुकदमे की रोज सुनवाई होगी। मुख्य आरोपी ने कैमरे के सामने कहा कि, उसने डॉक्टर के साथ न रेप किया और न हत्या की।

कोलकाता, 04 नवंबर। पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने कोलकाता के आर.जी. कर कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होगी। सोमवार को पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है। आरोपी संजय रॉय ने कैमरे के सामने कहा कि वह निर्दोष है और उसने डॉक्टर के साथ ना रेप किया है और ना ही उसकी हत्या की है। वह कैमरे के सामने गिड़गिड़ाता दिखा और कहा कि वह निर्दोष है, उसे जान बूझकर इस केस में फंसाया गया है। बता दें कि महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार-हत्या के 87 दिन बाद चार्जशीट की प्रक्रिया शुरू हुई है। संजय रॉय ने कहा कि मैंने बलात्कार और हत्या नहीं की है,मुझे अपनी बात कहने का मौका नहीं दिया गसर और सीधा आरोप मुझपर लगा दिया गया। मेरी बात किसी ने नहीं सुनी। आरोप लगने के बाद भी मैं इतने समय से चुप हूं, मुझे डराया जा जा रहा है, ये कह कर कि आप कुछ नहीं कहेंगे! मैं पूरी तरह से निर्दोष हूं, मुझे फंसाया गया है। महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के आरोपी संजय रॉय को सोमवार को सियालदह के जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया। संजय रॉय सी.बी.आई. की चार्जशीट में इस रेप और मर्डर केस का एकमात्र आरोपी है ।जज के बंद चैंबर में उसके खिलाफ चार्ज बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। आर जी कर मेडिकल कॉलेज में घटना के 87 दिन बाद चार्ज गठन प्रक्रिया शुरू हुई है। जूनियर डॉक्टर त्रिनेश मंडल ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि, सीबीआई और कोर्ट देखेगी कि संजय रॉय दोषी हैं या नहीं,लेकिन अगर इसके पीछे कोई बड़ा है तो उन्हें जांच के दायरे में लाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने बब्बर खालसा सदस्य को अंतरिम राहत नहीं दी

नयी दिल्ली, 04 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को, पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य की, करीब 29 साल पहले हुई हत्या के मामले में मौत की सजा पाए प्रतिबंधित बब्बर खालसा सदस्य, 57 वर्षीय राजोआना को अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने करीब तीन दशकों से जेल में बंद राजोआना को राहत देने से मना कर दिया तथा इस मामले में पंजाब सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए और दो सप्ताह का समय दिया।

राजोआना ने अपनी दया याचिका पर फैसला होने में अत्यधिक देरी के कारण अपनी सजा कम करने की शीर्ष अदालत से गुहार लगाई की थी।

शीर्ष अदालत के समक्ष राजोआना की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह चौंकाने वाला मामला है, क्योंकि याचिकाकर्ता 29 साल से हिरासत में है।

तमिलनाडु और कर्नाटक के बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की याचिका पर अंग्रेजी में ही जवाब दिया जाए।

हाई कोर्ट ने कहा था कि जिस भाषा में राज्य सरकार ने केन्द्र को आवेदन भेजा है, केन्द्र उसी भाषा में जवाब दे।

मद्रास हाई कोर्ट ने यह निर्देश मदुरै के सांसद एस. व्यंकटेश की याचिका पर दिए थे। व्यंकटेश ने याचिका में लिखा था कि, तमिलनाडु ने ग्रुप बी और ग्रुप सी के 780 रिक्त पदों को भरने के लिए होने वाली लिखित परीक्षा के लिए पांडिचेरी में सैंटर नहीं बनाया था। इसलिए मैंने केन्द्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था पांडिचेरी में एक सैंटर तो बनाया जाए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने 9 नवम्बर को हिंदी भाषा में जवाब भेजा, मैं समझ नहीं पाया कि वे क्या कहना चाहते हैं।

बैंच ने कहा कि हिंदी में जवाब देना कानून का उल्लंघन है। यह ऑफिशियल लैंगवेज एक्ट, 1963 के प्रावधानों का उल्लंघन है।"

इसके आगे कहा गया है कि तमिलनाडु सरकार, वहां के सांसद जनता को पत्र हिंदी में नहीं भेजा जाना चाहिए। केन्द्र सरकार को सिर्फ अंग्रेजी में ही पत्र भेजना चाहिए तथा नियम नहीं मानने वाले अफसरों पर कार्यवाही की जाए।

अल्मोड़ा में बस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषणा की गई है। मृतकों में दिनेश निवासी भैरंग खाल, चारू देवी निवासी रामनगर, मनोज रावत निवासी रामनगर, दीपू निवासी बरात, पौड़ी गढ़ वाल, गोपी निवासी बरात, पौड़ी गढ़ वाल, आदित्य राम निवासी सुंडोला, पौड़ी, सोनी निवासी दिगोली, धूमाकोट, दिलबर सिंह निवासी बिरखेत, पौड़ी, प्रवीण नेगी निवासी बोहरा, पौड़ी, मानवी ध्यानी निवासी बरात, पौड़ी, प्रवीण दत्त निवासी खेतूबाखाल, पौड़ी, नरीज ध्यानी निवासी रूई डाली, पौड़ी, धनपाल निवासी परखोली,पौड़ी, आदित्य रावत निवासी डोबा पौड़ी, शाका देवी निवासी उड्डी मल्ला, पौड़ी, दर्शन लाल निवासी मझेड़ा, अल्मोड़ा, रवि भारद्वाज, निवासी जामणी, सल्ट, अल्मोड़ा, मीनाक्षी निवासी कैनाथ, पौड़ी, सलोनी निवासी कैनाथ मल्ला, पौड़ी, रवीन्द्र सिंह निवासी आम पोखरा,रामनगर, रश्मि रावत निवासी धूमाकोट, पौड़ी गढ़ वाल, दयावंती पांथरी, निवासी धूमाकोट, शुभम निवासी धुमाकोट, पौड़ी, बनवारी लाल निवासी रणथ मल्ला, सल्ट अल्मोड़ा, नीरज ध्यानी निवासी रूडौलीएवं दो अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। इनकी मौके पर ही मौत हो गयी थी।

एकल पट्टा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखने वाले अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने बताया कि गत अप्रैल माह में पेश शपथ पत्र के दौरान उनसे सलाह नहीं ली गई थी। ए.सी.बी. ने तीन क्लोज़र रिपोर्ट अदालत में पेश की थीं, वे धारीवाल सहित अन्य अधिकारियों से प्रभावित थीं। इन रिपोर्ट में सभी तथ्यों को शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में ए.सी.बी. कोर्ट ने दो क्लोज़र रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और तीसरी पर कोई निर्णय नहीं हुआ था। इस दौरान मामला हाईकोर्ट चला गया। हाईकोर्ट ने गत जनवरी माह में पूर्व आई.ए.एस. जी.एस. संधू, निष्काम दिवाकर और औंकारमल सैनी के खिलाफ मुकदमा वापस लेने को सही माना और धारीवाल के खिलाफ प्रकरण खारिज कर दिया। ऐसे में हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर प्रकरण को फिर से ट्रायल कोर्ट भेजना चाहिए। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ, आर.टी.आई. कार्यकर्ता अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. दायर की थी, जिसमें कहा था कि शिकायतकर्ता से राजीनामे के आधार पर केस को रद्द नहीं किया जा सकता।

पोस्टमार्टम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की उम्र 14 वर्ष थी, उसको बाधिन लाडली टी- 8 ने जन्म दिया था। इस बारे में सी. सी. एफ. अनूप के. आर. ने बताया कि मृत टाइगर टी -86 के शरीर पर दो तरह की चोटें सामने आई हैं । चेहरे पर धारदार हथियार से वार किए गए, जिससे सिर की हड्डियां फैक्चर हो गईं और पीछे की हड्डियां भी टूट गईं।

कैनडा में हिंदू मंदिर पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे-मोदी

नई दिल्ली, 04 नवंबर। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कैनडा के हिंदू मंदिरों पर हुए हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने हमलों की निंदा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर लिखा है, मैं कैनडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं।

हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। हम कैनडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।

बता दें कि मोदी की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब लगातार दूसरे दिन खालिस्तान समर्थकों ने कैनडा में हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहां मंदिर में मौजूद हिंदुओं को घायल कर दिया।

अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ प्रस्ताव पर विधानसभा में हंगामा

जम्मू कश्मीर विधानसभा के पहले दिन पी.डी.पी. विधायक ने प्रस्ताव रखा, भाजपा ने कड़ा विरोध जताया

- जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सदस्य निर्णय नहीं ले सकता, इसका कोई महत्व नहीं।
- मुख्यमंत्री के जवाब का पी.डी.पी. के तीन सदस्यों ने विरोध किया।

श्रीनगर, 04 नवंबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को उस समय हंगामा हो गया, जब पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) के विधायक वहीद पर्रा ने केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के विरोध में प्रस्ताव पेश किया। गौरतलब है कि, अगस्त 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था, जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हो गया था और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज से शुरू हुए प्रथम सत्र के पहले दिन सात बार के विधायक और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता अब्दुल रहीम राथर को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया।

पी.डी.पी. विधायक वहीद पर्रा ने कहा कि उन्होंने 2019 में संसद द्वारा विशेष दर्जा और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया किया। उन्होंने प्रस्ताव भी पढ़ा । विधायक पर्रा के इस कदम से सदन में सभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों की तीखी प्रतिक्रिया सामने आयी। भाजपा विधायकों ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह नियमों का उल्लंघन है।

विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा नेताओं से कहा कि, वे मुद्दे को उन पर छोड़ दें क्योंकि उन्होंने अभी तक विधायक द्वारा भेजे गए दस्तावेज को नहीं देखा है। लेकिन, सदस्यों ने सदन में हंगामा किया, जबकि अध्यक्ष ने सदन में स्थिति को सामान्य बनाने का भरसक प्रयास किया। जब हंगामा हो रहा था, तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि प्रस्ताव का उद्देश्य केवल सुर्खियां बटोरना नहीं था। अब्दुल्ला ने कहा, मुझे पता था कि कुछ सदस्य प्रस्ताव पेश करेंगे। हमें उम्मीद नहीं थी कि सत्र के पहले दिन ऐसा होगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि, सदस्य निर्णय नहीं ले सकता, इसका कोई महत्व नहीं। उन्होंने कहा कि इस सत्र में क्या होगा, यह सत्ता पक्ष तय करेगा। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्य केवल कैमरों के सामने सुर्खियों में रहना चाहते हैं, अगर वे गंभीर होते, तो वे हमसे चर्चा करते और तय करते कि सदन की आवाज़ क्या होनी चाहिए।

'हमें मजबूरन जे.पी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, उन्होंने कहा कि इसे किसी "वेन्टीलेटिंग चैम्बर" मात्र के रूप में नहीं लिया जाना चाहिये, जिसे प्रस्तावित विधेयक को, आवश्यक प्रक्रिया की अनदेखी करते हुए, सरकार की इच्छा के अनुरूप पास करने के लिये बनाया गया है।

विपक्षी सदस्यों द्वारा प्राय: प्रस्तुत विरोधों के कारण कमेटी की कार्यवाही बाधित होती है तथा भाजपा सदस्यों का आरोप है कि विपक्षी सदस्य जानबूझ कर कमेटी के काम को बाधित करने की कोशिश करते हैं।

पाल ने विपक्षी सांसदों के इस आरोप को खारिज किया है कि वे विपक्षी सदस्यों को अपने विचार नहीं प्रकट करने दे रहे। उन्होंने जोर देते हुए कहाकि उन्होंने सुनिश्चित किया हुआ है कि हर व्यक्ति की बात सुनी जायें।

पाल, जो पहले कांग्रेस सांसद थे, विवाद पैदा करने के लिए जाने जाते हैं। उनके नजदीकी सूत्रों का कहना है कि वे प्रधानमंत्री को खुश करने के लिए यह सब कर रहे हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री बनाये जाने की उनकी इच्छा की उपेक्षा कर दी है।

वे उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे तथा 2014 तक उत्तर प्रदेश की डोमरिया गंज सीट से कांग्रेस सांसद थे। 2014 में, वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गये थे तथा उसके बाद लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। वे एक दिन के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं तथा "वन डे वन्डर" के नाम से प्रसिद्ध हैं।

उनकी वरिष्ठता के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी उनकी अनदेखी करते रहे हैं तथा इस समय उनके पास भाजपा हाईकमान को प्रसन्न करने का सुअवसर है। सूत्रों का कहना है कि वे इस भूमिका को प्रशंसनीय रूप में निभा रहे हैं।

'पटाखों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर रोक लगाने का आदेश दिया था। यह आदेश एक जनवरी 2025 तक लागू रहेगा। सिर्फ ग्रीन पटाखे ही बेचने व इस्तेमाल करने की अनुमति रहेगी। दीवाली के दिन शाम 8 बजे से रात दस बजे तक पटाखे चलाने की छूट दी गई थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908